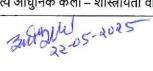
Dw	ogram: 2 Years PG	Class: N	A. III	Voor 2nd	Cons	on. 2025 26
Sen		Vear 2nd Session: 2025-26				
Sub	ject: Drawing & Pair	nting			287.472	
1_	Course Code			9		
_	G WILL	8#		Mod	dern Art	
2	Course Title			आधनि	क चित्रकला	
-	Course Type (Core	Course/			10 Page	
3	Discipline Specific		Core Cour	se: Paper – 1 (Th	eory सद्धातक)	
	Pre-requisite (if any)		study this c	ourse, it is mandate		The second secon
4			इस कोर्स व	MA II Semester v हा अध्ययन करने के MA II Semester	लिए छात्र को वित्र	कला विषय के साथ
				completion of this cou	rse, students will lear	n to:
				nd the evolution of		
				ey art movements a e and critically appro		
			modern artis			
				comparative persp	ective between In	dian and Western
			modern art trends.			
			Analyze stylistic features, symbolism, and philosophical concepts in modern art.			
				Gain awareness of modern art contributions from Madhya Pradesh		
			and their significance.			
	250			uired knowledge to undational base for		
5	Course Learning or	utcomes	teaching.	undational base for	advanced art rese	earch, writing, and
	(CLO)		भारत और पाश्च	त्य देशों में आधुनिक कर	n के विकास को सम <b>इ</b>	। सकेंगे।
			प्रमुख कला आं	दोलनों और उनकी विशेष	ताओं की पहचान कर	सकेंगे।
			महत्वपूर्ण आधुनिक कलाकारों के कार्यों को पहचानेंगे और समीक्षात्मक रूप से सराह सकेंगे।			
			भारतीय और पाश्चात्य आधुनिक कला प्रवृत्तियों के बीच तुलनात्मक दृष्टिकोण विकसित			
			करेंगे।	SOUTH OF THE PARTY OF THE PARTY AND THE PARTY OF THE PART		
			आधुनिक कला विश्लेषण कर स	की शैलीगत विशेषताओं, किंगे।	प्रतीका आर दाशानेक	अवधारणाओं का
			विश्लेषण कर सकरा।   मध्यप्रदेश के आधुनिक कलाकारों के योगदान और उनके महत्व के प्रति जागरूकता			
			प्राप्त करेंगे।	- W		
			प्राप्त ज्ञान को अ उन्नत कला अनु	ापनी कला साधना में लाग् संधान, लेखन और शिक्षण	(कर सकेंगे। I के लिए आधारभूत यो	ग्यता प्राप्त करेंगे।
6	Credit Value			05		
7 Total Marks		Max. Mark	s: 100	Min. Passing I	Marks: 40	
H		Part l		t of the Cours		
ota L-T-	l No. of Lectures-Tut				···	er of the property of the prop
-	nit		1 Topic			No. of Lectur
						TION OF THEFT

(Port-ANOK BHAWSAR)

Introduction to Modern Art (Indian and Western) आधुनिक कला का परिचय (भारतीय और पाश्चात्य)  Definition and characteristics of Modern Art आधुनिक कला की परिपाय। और विशेषताएँ  Transition from traditional to modern art पारंपरिक से आधुनिक कला की यात्रा  Influence of industrialization, science, technology, and psychology ओखोगिकीकरण, विज्ञान, तकनीक और मनाविज्ञान का प्रभाव  Role of Raja Rav's Varma as a bridge between classical and modern art राजा रिव वर्मा की भूमिका—शास्त्रीय और आधुनिक कला के सेतु रूप में  Early modern trends in Indian and Western art भारतीय और पाश्चात्य कला में प्रारंभिक आधुनिक प्रवृत्तियाँ  Indian Modern Art and Artists  भारतीय आधुनिक कला और कलाकार:  Bengal School and Nationalism बाँगाल स्कूल और राष्ट्रीयता  Progressive Artists' Group (PAG)—vision and contribution प्रोग्रेसिव आदिस्ट ग्रुप—हिकोण और योगदान  Shilpi Chakra and other art movements शिल्पी कला करा अपन कला आदीलनो  Role of institutions like Kala Bhavan (Shantiniketan), JJ School of Art शांतिनिकेतन का कला भवन, के.जे. स्कूल ऑफ आर्ट आदि की भूमिका  Selected Artists and Contributions: चयनित कलाकार और उनका योगदान:  Important Modern Indian Artists / प्रमुख भारतीय आधुनिक कलाकार:  Raja Ravi Varma राजा रवि वर्मा , Abanindranath Tagore  अवनीद्रनाथ ठाकुर , Nandalal Bose नंदलाल बोस,, Rabindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिम्मी राय, Amrita Sher-Gii अमृता शेरिगिल, K. H. Ara के. एव. आरा,  F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta — Progressive modernists एफ. एन. सुजा, एस. एच. रजा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता — प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार  Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:  D. D. Deolalikar, डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan , जे. स्वामीनाथन , D. J. Joshi, डी. जे. जोशी, Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार, Sachida Nagdev सचिदा नागरिव, Ushnu Chinchalkar विष्यू चिंचालकर	(F		4
• Definition and characteristics of Modern Art आधुनिक कला की परिभाषा और विशेषताएँ • Transition from traditional to modern art पारंपरिक से आधुनिक कला की यात्रा • Influence of industrialization, science, technology, and psychology औद्योगिकीकरण, विज्ञान, तकनीक और मनोविज्ञान का प्रभाव • Role of Raja Ravi Varma as a bridge between classical and modern art राजा रवि वर्मा की भूमिका – शास्त्रीय और आधुनिक कला के सेतु रूप में • Early modern trends in Indian and Western art भारतीय और पाश्चात्य कला में प्रारंभिक आधुनिक प्रवृत्तियाँ  Indian Modern Art and Artists  भारतीय आधुनिक कला और कलाकार: • Bengal School and Nationalism बँगाल स्कूल और राष्ट्रीयता • Progressive Artists' Group (PAG) – vision and contribution प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट ग्रुप – रिष्टकोण और योगदान • Shilpi Chakra and other art movements थित्यी चक्र तथा अन्य कला आंदीलनों • Role of institutions like Kala Bhavan (Shantiniketan), JJ School of Art शांतिनिकेतन का कला भवन, जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट आदि की भूमिका • Selected Artists and Contributions: चयनित कलाकार और उनका योगदान:  Important Modern Indian Artists / प्रमुख भारतीय आधुनिक कलाकार: • Raja Ravi Varma राजा रविवर्मा, Abanindranath Tagore • अवनीद्रनाथ ठाकुर, Nandalal Bose नंदलाल बोस,, Rabindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिमेनी राय, Amrita Sher-Gii अमृता श्रेरिल, K. H. Ara के. एव. आरा, • F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta – Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रजा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता – प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार  Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार: • D. D. Deolalikar, डी. डी. वेवलालिकर, J. Swaminathan, जे. स्वामीनाथन, D. J. Joshi, डी. जे. जोशी, Ramchandra Bhawsar रामचन्द भावसार,		Introduction to Modern Art (Indian and Western)	
I  Influence of industrialization, science, technology, and psychology औद्योगिकीकरण, विज्ञान, तकनीक और मनीविज्ञान का प्रभाव  Role of Raja Ravi Varma as a bridge between classical and modern art राजा रवि वर्मा की भूमिका — शास्त्रीय और आधुनिक कला के सेतु रूप में  Role of Raja Ravi Varma as a bridge between classical and modern art राजा रवि वर्मा की भूमिका — शास्त्रीय और आधुनिक कला के सेतु रूप में  Early modern trends in Indian and Western art भारतीय और पाश्चात्म कला में प्रारंभिक आधुनिक प्रवृत्तियाँ  Indian Modern Art and Artists  भारतीय आधुनिक कला और कलाकार:  Bengal School and Nationalism बँगाल स्कूल और राष्ट्रीयता  Progressive Artists' Group (PAG) — vision and contribution प्रोग्रेसिव आदिरेट ग्रुप — रिष्टकोण और योगदान  Shilpi Chakra and other art movements शिल्पी चक्र तथा अन्य कला आंदोलनों  Role of institutions like Kala Bhavan (Shantiniketan), JJ School of Art शांतिनिकतन का कला भवन, जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट आदि की भूमिका  Selected Artists and Contributions: चयनित कलाकार और उनका योगदान:  Important Modern Indian Artists / प्रमुख भारतीय आधुनिक कलाकार:  Raja Ravi Varma राजा रवि वर्मा , Abanindranath Tagore  Naja Ravi Varma राजा रवि वर्मा , Abanindranath Tagore  Naja Ravi Varma राजा रवि वर्मा , Abanindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिमेनी राय , Amrita Sher-Gii अमृता श्रेरीरल, K. H. Ara के. एच. आरा,  F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta — Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. राजा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता — प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार  Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:  D. D. Deolalikar, डी. डी. वे वलालिकर, J. Swaminathan , जे. स्वामीनायन, D. J. Joshi , डी. जे. जोशी, Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,		आधुनिक कला का परिचय (भारतीय और पाश्चात्य)	
Influence of industrialization, science, technology, and psychology औद्योगिकीकरण, विज्ञान, तकनीक और मनोविज्ञान का प्रभाव  Role of Raja Ravi Varma as a bridge between classical and modern art राजा रवि वर्मा की भूमिका – शास्त्रीय और आधुनिक कला के सेतु रूप में  Early modern trends in Indian and Western art भारतीय और पाश्चात्य कला में प्रारंभिक आधुनिक प्रवृत्तियाँ  Indian Modern Art and Artists  Hारतीय आधुनिक कला और कलाकार :  Bengal School and Nationalism बँगाल स्कूल और राष्ट्रीयता  Progressive Artists' Group (PAG) – vision and contribution प्रोप्रेसिव आर्टिस्ट ग्रुप – दृष्टिकोण और योगदान  Shilpi Chakra and other art movements शित्पी चक्र तथा अन्य कला आंदोलनों  Role of institutions like Kala Bhavan (Shantiniketan), JJ School of Art शांतिनिकतन का कला भवन, जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट आदि की भूमिका  Selected Artists and Contributions: चयनित कलाकार और उनका योगदान:  Important Modern Indian Artists / प्रमुख भारतीय आधुनिक कलाकार:  Raja Ravi Varma राजा रवि वर्मा , Abanindranath Tagore  अवनीद्रनाथ ठाकुर , Nandalal Bose नंदलाल बोस,, Rabindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिमनी राय, Amrita Sher-Gil अमृता शेरगिल, K. H. Ara के. एच. आरा,  F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta – Progressive modernists एफ. एन. स्जा, एस. एच. रज़ा, अकबर पदमसी, तैयब मेहला – प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार  Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:  D. D. Deolalikar , डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan , जे. स्वामीनाथन , D. J. Joshi , डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,		는 이 보고 있다면 하는데 보고 있다면 보고 있다면 보고 있다면 보고 있다면 보고 있다면 보고 있다면 되었다. 그 없는데 보고 있다면 보고	
Influence of industrialization, science, technology, and psychology औद्योगिकीकरण, विज्ञान, तकनीक और मनोविज्ञान का प्रभाव  Role of Raja Ravi Varma as a bridge between classical and modern art राजा रवि वर्मा की भूमिका — शास्त्रीय और आधुनिक कला के सेतु रूप में  Early modern trends in Indian and Western art भारतीय और पाश्चात्य कला में प्रारंभिक आधुनिक प्रवृत्तियाँ  Indian Modern Art and Artists  Hारतीय आधुनिक कला और कलाकार:  Bengal School and Nationalism बँगाल स्कूल और राष्ट्रीयता  Progressive Artists' Group (PAG) — vision and contribution प्रोग्नेसिव आर्टिस्ट ग्रुप — दिक्षण और योगदान  Shilpi Chakra and other art movements शिल्पी चक्र तथा अन्य कला आंदोलनों  Role of institutions like Kala Bhavan (Shantiniketan), JJ School of Art शांतिनिकेतन का कला भवन, जे. जे. स्कूल ऑफ आर्ट आदि की भूमिका  Selected Artists and Contributions: चयनित कलाकार और उनका योगदान:  Important Modern Indian Artists / प्रमुख भारतीय आधुनिक कलाकार:  Raja Ravi Varma राजा रवि वर्मी, Abanindranath Tagore  अवनींद्रनाथ ठाकुर, Nandalal Bose नंदलाल बीस,, Rabindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिमेनी राय, Amrita Sher-Gil अमृता शेरिगेल, K. H. Ara के. एच. आरा,  F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta — Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रजा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता — प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार  Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:  D. D. Deolalikar , डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan , जे. स्वामीनाथन , D. J. Joshi , डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,		AND MARKS INC. AND	
औद्योगिकीकरण, विज्ञान, तकनीक और मनोविज्ञान का प्रभाव  Role of Raja Ravi Varma as a bridge between classical and modern art राजा रवि वर्मा की भूमिका — शास्त्रीय और आधुनिक कला के सेतु रूप में  Early modern trends in Indian and Western art भारतीय और पाश्चात्य कला में प्रारंभिक आधुनिक प्रवृत्तियाँ  Indian Modern Art and Artists  Hारतीय आधुनिक कला और कलाकार :  Bengal School and Nationalism बँगाल स्कूल और राष्ट्रीयता  Progressive Artists' Group (PAG) — vision and contribution प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट ग्रुप — दृष्टिकोण और योगदान  Shilpi Chakra and other art movements शिल्पी चक्र तथा अन्य कला आंदोलनों  Role of institutions like Kala Bhavan (Shantiniketan), JJ School of Art शांतिनिकेतन का कला भवन, जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट आदि की भूमिका  Selected Artists and Contributions: चयनित कलाकार और उनका योगदान:  Important Modern Indian Artists / प्रमुख भारतीय आधुनिक कलाकार:  Raja Ravi Varma राजा रवि वर्मा , Abanindranath Tagore  अवनींद्रनाथ ठाकुर , Nandalal Bose नंदलाल बोस,, Rabindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिमिनी राय, Amrita Sher-Gii अमृता शेरगिल, K. H. Ara के. एच. आरा,  F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta — Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रजा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता — प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार  Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:  D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन ,  D. J. Joshi ,डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,	I		
राजा रवि वर्मा की भूमिका – शास्तीय और आधुनिक कला के सेतु रूप में  Early modern trends in Indian and Western art भारतीय और पाश्चात्य कला में प्रारंभिक आधुनिक प्रवृत्तियाँ  Indian Modern Art and Artists  Hारतीय आधुनिक कला और कलाकार:  Bengal School and Nationalism बँगाल स्कूल और राष्ट्रीयता  Progressive Artists' Group (PAG) – vision and contribution प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट ग्रुप – दृष्टिकोण और योगदान  Shilpi Chakra and other art movements शिल्पी चक्र तथा अन्य कला आंदोलनों  Role of institutions like Kala Bhavan (Shantiniketan), JJ School of Art शांतिनिकेतन का कला भवन, जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट आदि की भूमिका  Selected Artists and Contributions: चयनित कलाकार और उनका योगदान:  Important Modern Indian Artists / प्रमुख भारतीय आधुनिक कलाकार:  Raja Ravi Varma राजा रिव दर्मा, Abanindranath Tagore  अवनींद्रनाथ ठाकुर , Nandalal Bose नंदलाल बोस,, Rabindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिमनी राय, Amrita Sher-Gil अमृता शेरगिल, K. H. Ara के. एच. आरा,  F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta – Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रज़ा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता – प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार  Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:  D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन , D. J. Joshi ,डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,			
• Early modern trends in Indian and Western art भारतीय और पाश्चात्य कला में प्रारंभिक आधुनिक प्रवृत्तियाँ  Indian Modern Art and Artists  भारतीय आधुनिक कला और कलाकार:  • Bengal School and Nationalism बँगाल स्कूल और राष्ट्रीयता  • Progressive Artists' Group (PAG) — vision and contribution प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट ग्रुप — दृष्टिकोण और योगदान  • Shilpi Chakra and other art movements शिली चक्र तथा अन्य कला आंदोलनों  • Role of institutions like Kala Bhavan (Shantiniketan), JJ School of Art शांतिनिकेतन का कला भवन, जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट आदि की भूमिका  • Selected Artists and Contributions: चयनित कलाकार और उनका योगदान:  Important Modern Indian Artists / प्रमुख भारतीय आधुनिक कलाकार:  • Raja Ravi Varma राजा रवि वर्मा , Abanindranath Tagore  • अवनींद्रनाथ ठाकुर , Nandalal Bose नंदलाल बोस,, Rabindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिमनी राय, Amrita Sher-Gil अमृता शेरगिल, K. H. Ara के. एच. आरा,  • F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta — Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रज़ा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता — प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार  Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:  • D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन , D. J. Joshi ,डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,			
Indian Modern Art and Artists भारतीय आधुनिक कला और कलाकार:  Bengal School and Nationalism बँगाल स्कूल और राष्ट्रीयता  Progressive Artists' Group (PAG) — vision and contribution प्रोग्नेसिव आर्टिस्ट ग्रुप — दृष्टिकीण और योगदान  Shilpi Chakra and other art movements शिल्पी चक्र तथा अन्य कला आंदोलनों  Role of institutions like Kala Bhavan (Shantiniketan), JJ School of Art शांतिनिकेतन का कला भवन, जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट आदि की भूमिका  Selected Artists and Contributions: चयनित कलाकार और उनका योगदानः  Important Modern Indian Artists / प्रमुख भारतीय आधुनिक कलाकार:  Raja Ravi Varma राजा रिव वर्मा , Abanindranath Tagore  Raja Ravi Osimुर , Nandalal Bose नंदलाल बोस., Rabindranath Tagore स्वींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिमेनी राय, Amrita Sher-Gii अमृता शेरिगल, K. H. Ara के. एच. आरा,  F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta — Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रज़ा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता — प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार  Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:  D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन , D. J. Joshi ,डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,		Early modern trends in Indian and Western art	
<ul> <li>भारतीय आधुनिक कला और कलाकार:</li> <li>Bengal School and Nationalism बँगाल स्कूल और राष्ट्रीयता</li> <li>Progressive Artists' Group (PAG) — vision and contribution प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट ग्रुप — दृष्टिकोण और योगदान</li> <li>Shilpi Chakra and other art movements शिल्पी चक्र तथा अन्य कला आंदोलनों</li> <li>Role of institutions like Kala Bhavan (Shantiniketan), JJ School of Art शांतिनिकेतन का कला भवन, जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट आदि की भूमिका</li> <li>Selected Artists and Contributions:         चर्यनित कलाकार और उनका योगदान:</li> <li>Important Modern Indian Artists / प्रमुख भारतीय आधुनिक कलाकार:         <ul> <li>Raja Ravi Varma राजा रिव वर्मा , Abanindranath Tagore</li> <li>अवनींद्रनाथ ठाकुर , Nandalal Bose नंदलाल बोस,, Rabindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिम्नी राय, Amrita Sher-Gil अमृता शेरगिल, K. H. Ara के. एच. आरा,</li> <li>F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta — Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रज़ा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता — प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार</li> </ul> </li> <li>Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:         <ul> <li>D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन ,</li> <li>D. J. Joshi ,डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,</li> </ul> </li> </ul>		भारतीय और पाश्चात्य कला में प्रारंभिक आधुनिक प्रवृत्तियाँ	
<ul> <li>Bengal School and Nationalism बँगाल स्कूल और राष्ट्रीयता</li> <li>Progressive Artists' Group (PAG) — vision and contribution प्रोग्नेसिव आर्टिस्ट ग्रुप — दृष्टिकोण और योगदान</li> <li>Shilpi Chakra and other art movements         िराल्पी चक्र तथा अन्य कला आंदोलनों</li> <li>Role of institutions like Kala Bhavan (Shantiniketan), JJ School of Art शांतिनिकेतन का कला भवन, जे. जे. स्कूल ऑफ आर्ट आदि की भूमिका</li> <li>Selected Artists and Contributions:         चयनित कलाकार और उनका योगदान:         Important Modern Indian Artists / प्रमुख भारतीय आधुनिक कलाकार:         <ul> <li>Raja Ravi Varma राजा रिव वर्मा , Abanindranath Tagore</li> <li>अवनींद्रनाथ ठाकुर , Nandalal Bose नंदलाल बोस, Rabindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिमनी राय, Amrita Sher-Gil अमृता शेरगिल, K. H. Ara के. एच. आरा,</li> <li>F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta — Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रज़ा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता — प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार</li> </ul> </li> <li>Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:         <ul> <li>D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन ,</li></ul></li></ul>		NAME CONTROL NAME OF THE PROPERTY OF THE PROPE	
बँगाल स्कूल और राष्ट्रीयता Progressive Artists' Group (PAG) — vision and contribution प्रोग्नेसिव आर्टिस्ट ग्रुप — दृष्टिकोण और योगदान Shilpi Chakra and other art movements शिल्पी चक्र तथा अन्य कला आंदोलनों Role of institutions like Kala Bhavan (Shantiniketan), JJ School of Art शांतिनिकेतन का कला भवन, जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट आदि की भूमिका Selected Artists and Contributions: चयनित कलाकार और उनका योगदान: Important Modern Indian Artists / प्रमुख भारतीय आधुनिक कलाकार: Raja Ravi Varma राजा रवि वर्मा , Abanindranath Tagore अवनींद्रनाथ ठाकुर , Nandalal Bose नंदलाल बोस,, Rabindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिमनी राय, Amrita Sher-Gil अमृता शेरगिल, K. H. Ara के. एच. आरा, F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta — Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रज़ा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता — प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार: D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन , D. J. Joshi ,डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,		भारतीय आधुनिक कला और कलाकार :	
<ul> <li>Progressive Artists' Group (PAG) — vision and contribution प्रोग्नेसिव आर्टिस्ट ग्रुप — दृष्टिकोण और योगदान</li> <li>Shilpi Chakra and other art movements शिल्पी चक्र तथा अन्य कला आंदोलनों</li> <li>Role of institutions like Kala Bhavan (Shantiniketan), JJ School of Art शांतिनिकेतन का कला भवन, जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट आदि की भूमिका</li> <li>Selected Artists and Contributions: चयनित कलाकार और उनका योगदान:</li> <li>Important Modern Indian Artists / प्रमुख भारतीय आधुनिक कलाकार:         <ul> <li>Raja Ravi Varma राजा रिव वर्मा , Abanindranath Tagore</li> <li>अवनींद्रनाथ ठाकुर , Nandalal Bose नंदलाल बोस, Rabindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिमनी राय, Amrita Sher-Gil अमृता शेरगिल, K. H. Ara के. एच. आरा,</li> <li>F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta — Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रज़ा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता — प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार</li> </ul> </li> <li>Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:         <ul> <li>D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन ,</li> <li>D. J. Joshi ,डी. जो. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,</li> </ul> </li> </ul>			
प्रोग्नेसिव आर्टिस्ट ग्रुप — दृष्टिकोण और योगदान  Shilpi Chakra and other art movements शिल्पी चक्र तथा अन्य कला आंदोलनों  Role of institutions like Kala Bhavan (Shantiniketan), JJ School of Art शांतिनिकेतन का कला भवन, जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट आदि की भूमिका  Selected Artists and Contributions: चयनित कलाकार और उनका योगदान:  Important Modern Indian Artists / प्रमुख भारतीय आधुनिक कलाकार:  Raja Ravi Varma राजा रिव वर्मा , Abanindranath Tagore  अवनींद्रनाथ ठाकुर , Nandalal Bose नंदलाल बोस,, Rabindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिमनी राय, Amrita Sher-Gil अमृता शेरगिल, K. H. Ara के. एच. आरा,  F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta — Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रजा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता — प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार  Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:  D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन , D. J. Joshi ,डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,			
<ul> <li>Shilpi Chakra and other art movements शिल्पी चक्र तथा अन्य कला आंदोलनों</li> <li>Role of institutions like Kala Bhavan (Shantiniketan), JJ School of Art शांतिनिकेतन का कला भवन, जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट आदि की भूमिका</li> <li>Selected Artists and Contributions:         चयनित कलाकार और उनका योगदान:         Important Modern Indian Artists / प्रमुख भारतीय आधुनिक कलाकार:         <ul> <li>Raja Ravi Varma राजा रिव वर्मा , Abanindranath Tagore</li> <li>अवनींद्रनाथ ठाकुर , Nandalal Bose नंदलाल बोस, Rabindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिम्नी राय, Amrita Sher-Gil अमृता शेरगिल, K. H. Ara के. एच. आरा,</li> <li>F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta – Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रज़ा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता – प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार</li> </ul> </li> <li>Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:         <ul> <li>D. D. Deolalikar , डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan , जे. स्वामीनाथन ,</li> <li>D. J. Joshi , डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,</li> </ul> </li> </ul>			
<ul> <li>Role of institutions like Kala Bhavan (Shantiniketan), JJ School of Art शांतिनिकेतन का कला भवन, जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट आदि की भूमिका</li> <li>Selected Artists and Contributions: चयनित कलाकार और उनका योगदान:</li> <li>Important Modern Indian Artists / प्रमुख भारतीय आधुनिक कलाकार:         <ul> <li>Raja Ravi Varma राजा रवि वर्मा , Abanindranath Tagore</li> <li>अवनींद्रनाथ ठाकुर , Nandalal Bose नंदलाल बोस,, Rabindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिमनी राय, Amrita Sher-Gil अमृता शेरगिल, K. H. Ara के. एच. आरा,</li> <li>F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta — Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रज़ा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता — प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार</li> </ul> </li> <li>Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:         <ul> <li>D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन ,</li> <li>D. J. Joshi ,डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,</li> </ul> </li> </ul>		Shilpi Chakra and other art movements	
शांतिनिकेतन का कला भवन, जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट आदि की भूमिका  Selected Artists and Contributions: चयनित कलाकार और उनका योगदान:  Important Modern Indian Artists / प्रमुख भारतीय आधुनिक कलाकार:  Raja Ravi Varma राजा रवि वर्मा , Abanindranath Tagore  अवनींद्रनाथ ठाकुर , Nandalal Bose नंदलाल बोस,, Rabindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिमनी राय, Amrita Sher-Gil अमृता शेरगिल, K. H. Ara के. एच. आरा,  F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta — Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रज़ा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता — प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार  Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:  D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन , D. J. Joshi ,डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,			
<ul> <li>Selected Artists and Contributions:         चयनित कलाकार और उनका योगदान:</li> <li>Important Modern Indian Artists / प्रमुख भारतीय आधुनिक कलाकार:         <ul> <li>Raja Ravi Varma राजा रिव वर्मा , Abanindranath Tagore</li> <li>अवनींद्रनाथ ठाकुर , Nandalal Bose नंदलाल बोस,, Rabindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिमनी राय, Amrita Sher-Gil अमृता शेरगिल, K. H. Ara के. एच. आरा,</li> <li>F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta – Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रज़ा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता – प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार</li> </ul> </li> <li>Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:         <ul> <li>D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन ,</li> <li>D. J. Joshi ,डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,</li> </ul> </li> </ul>			
Important Modern Indian Artists / प्रमुख भारतीय आधुनिक कलाकारः  Raja Ravi Varma राजा रवि वर्मा , Abanindranath Tagore  अवनींद्रनाथ ठाकुर , Nandalal Bose नंदलाल बोस,, Rabindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिमनी राय, Amrita Sher-Gil अमृता शेरगिल, K. H. Ara के. एच. आरा,  F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta — Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रज़ा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता — प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार  Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकारः  D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन , D. J. Joshi ,डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,		Selected Artists and Contributions:	
<ul> <li>Raja Ravi Varma राजा रवि वर्मा , Abanindranath Tagore</li> <li>अवनींद्रनाथ ठाकुर , Nandalal Bose नंदलाल बोस, Rabindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिमनी राय, Amrita Sher-Gil अमृता शेरगिल, K. H. Ara के. एच. आरा,</li> <li>F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta — Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रज़ा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता — प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार</li> <li>Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:         <ul> <li>D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन ,</li> <li>D. J. Joshi ,डी. जो. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,</li> </ul> </li> </ul>		THE RESPONSAL TO PARK IN 1970 - BOTHS AND SOME PROPERTY OF THE SAME PROP	
<ul> <li>अवनींद्रनाथ ठाकुर , Nandalal Bose नंदलाल बोस,, Rabindranath Tagore रवींद्रनाथ ठाकुर Jamini Roy जिमनी राय, Amrita Sher-Gil अमृता शेरगिल, K. H. Ara के. एच. आरा,</li> <li>F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta – Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रज़ा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता – प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार</li> <li>Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:         <ul> <li>D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन ,</li> <li>D. J. Joshi ,डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,</li> </ul> </li> </ul>	II		
ठाकुर Jamini Roy जिमनी राय, Amrita Sher-Gil अमृता शेरगिल, K. H. Ara के. एच. आरा,  F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta — Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रज़ा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता — प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार  Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:  D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन ,  D. J. Joshi ,डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,	æ		
<ul> <li>F. N. Souza, S. H. Raza, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta — Progressive modernists एफ. एन. सूजा, एस. एच. रज़ा, अकबर पदमसी, तैयब मेहता — प्रगतिशील आधुनिकतावादी कलाकार</li> <li>Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:         <ul> <li>D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन ,</li> <li>D. J. Joshi ,डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,</li> </ul> </li> </ul>			
कलाकार  Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:  D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन ,  D. J. Joshi ,डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,			
Artists from Madhya Pradesh / मध्यप्रदेश के कलाकार:  D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन ,  D. J. Joshi ,डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,		10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 1	
<ul> <li>D. D. Deolalikar ,डी. डी. देवलालिकर , J. Swaminathan ,जे. स्वामीनाथन ,</li> <li>D. J. Joshi ,डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,</li> </ul>		APP APP	
D. J. Joshi ,डी. जे. जोशी , Ramchandra Bhawsar रामचन्द्र भावसार,		The state of the s	
Sachida Nagdev) सचिदा नागदेव, Vishnu Chinchalkar विष्णु चिंचालकर			
		Sachida Nagdev) सचिदा नागदेव, Vishnu Chinchalkar) विष्णु चिंचालकर	
Western Modern Art – Classicism to Realism	111	SARAMON MARIE CONTROL SECTION CONTROL	
पाश्चात्य आधुनिक कला – शास्त्रीयता वाद से यथार्थवाद तक	111	पाश्चात्य आधुनिक कला – शास्त्रीयता वाद से यथार्थवाद तक	



	Classicism – Ideals of harmony, proportion, and balance	
	शास्त्रीयता वाद 🗕 सामंजस्य, अनुपात और संतुलन के आदर्श	
	Romanticism – Emphasis on emotion, nature, and individualism	
	रोमान्स वाद – भावना, प्रकृति और व्यक्तिवाद पर बल	
	Realism – Depiction of ordinary life and social realities	
	यथार्थवाद – सामान्य जीवन और सामाजिक यथार्थ का चित्रण	
	Representative Western Artists / प्रतिनिधि पाश्चात्य कलाकारः	
	<ul> <li>Jacques-Louis David (Classicism)</li> </ul>	Œ:
	Francisco Goya, Eugène Delacroix (Romanticism)	
	Gustave Courbet, Jean-François Millet (Realism)	
	Impressionism and Related Movements	
	प्रभाववाद एवं संबंधित आंदोलन	
	Impressionism – Focus on light, atmosphere, and fleeting moments	
	प्रभाववाद 🗕 प्रकाश, वातावरण और क्षणिक प्रभावों पर केंद्रित कला	
t	Neo-Impressionism (Pointillism) – Scientific color theory and divisionism	
	नव- प्रभाववाद (बिंदुवाद) – वैज्ञानिक रंग सिद्धांत और विभाजनवाद	
	Post-Impressionism – Emotional expression, structure, symbolic content	
IV	उत्तर प्रभाववाद – भावात्मकता, संरचना और प्रतीकात्मकता	
	• Fauvism – Bold color, simplified forms, wild brushwork	
	जंगलवाद – प्रखर रंग, सरल रूप और मुक्त ब्रश वर्क	
	Artists to be Studied / अध्ययन हेतु कलाकार:	
	Claude Monet, Edgar Degas, Pierre-Auguste Renoir (Impressionism)	
	Georges Seurat, Paul Signac (Neo-Impressionism)  Vincentural Cook, Paul Cook, Paul Cook, Indiana (Paul Cook)  Vincentural Cook, Paul Cook, Paul Cook, Indiana (Paul Cook)  Vincentural Cook, Indiana (Paul Cook)  Vinc	
	<ul> <li>Vincent van Gogh, Paul Cézanne, Paul Gauguin (Post-Impressionism)</li> <li>Henri Matisse, André Derain (Fauvism)</li> </ul>	
	Territ Matisse, Andre Derain (Lauvishi)	
	Cubism to Abstract Art	
	घनवाद से अमूर्त कला तक	
	Cubism – Analytical and synthetic cubism; geometric fragmentation	
	घनवाद – विश्लेषणात्मक व संश्लेषणात्मक क्यूबिज्म; ज्यामितीय विखंडन	
	Expressionism – Inner emotion and psychological depth	
	अभिव्यंजना वाद 🗕 आंतरिक भावनाएँ और मनोवैज्ञानिक गहराई	
- 212	Dadaism – Anti-art movement; absurdity and protest	
V	दादा वाद – विरोध और विडंबना पर आधारित एंटी-आर्ट आंदोलन	
	Surrealism – Dream imagery, subconscious, and irrational juxtapositions	
	अतियथार्थ वाद 🗕 स्वप्न दृश्य, अवचेतन और असंगत संयोजन	
	<ul> <li>Abstract Art – Pure form, color, and rhythm beyond representation</li> </ul>	
	अमूर्त कला – अमूर्त रूपों, रंग और लय के माध्यम से अभिव्यक्ति	
	एवं उपरोक्त समस्त कला आन्दोलनों/वादों के प्रमुख कलाकार	
	Key Western Artists / प्रमुख पाश्चात्य कलाकारः	
	Pablo Picasso, Georges Braque (Cubism)	
	. 1	

344 N22-05-2025

- Edvard Munch, Egon Schiele (Expressionism)
- Marcel Duchamp, Hans Arp (Dadaism)
- Salvador Dalí, René Magritte (Surrealism)
- Wassily Kandinsky, Piet Mondrian, Jackson Pollock (Abstract Art)

Keywords/Tags: Civilization, prehistoric, Indus valley, caves, Indian mediaeval Painting, renaissance, Indian art.

# Part C-Learning Resources

### Text Books, Reference Books, Other resources

Books in English (for Modern European Art)

- 1. "The Story of Art" by E.H. Gombrich
- 2. "आधुनिक चित्रकला" (Aadhunik Chitrakala) by Dr. G.K. Agrawal/Ashok
- 3. "Modern Art: A Very Short Introduction" by David Cottington
- 4. "The Shock of the New" by Robert Hughes
- 5. "Art in Theory 1900-2000" edited by Charles Harrison and Paul Wood
- 6. "Modernism: Designing a New World 1914-1939" by Christopher Wilk
- 7. "Movements in Modern Art" Series (Tate Publishing)
- 8. "आधुनिक चित्रकला" (Aadhunik Chitrakala) by Dr. Anil Rao
- 9. "विश्व कला का इतिहास" (Vishwa Kala Ka Itihaas) by Dr. Vijay Sharma
- 10. "कला और संस्कृति" (Kala Aur Sanskriti) by Dr. Kapila Vatsyayan
- 11. आधुनिक चित्रकला र. वि. साखलकर
- 12. यूरोप की आधुनिक चित्रकला गिर्राज किशोर अग्रवाल
- 13. मार्डर्न आर्ट और भारतीय चित्रकारए डॉ. राजेन्द्र वाजपेयी, साहित्य निकेतनए कानपुर
- 14. पूरोप की आधुनिक चित्रकला का इतिहास, शेखर चन्द्र जोशी, प्रकाश बुक डीपो, बरेली

### Suggested equivalent online courses:

Time: 03:00 Hours

#### Part D-Assessment and Evaluation Suggested Continuous Evaluation Methods: Maximum Marks: 100 Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 40 Marks University Exam (UE): 60 Marks Class Test /Assignment/Presentation सी सी ई के अन्तर्गत विषय से सम्बन्धित समूह चर्चा, Internal Assessment: Continuous 40 पोंस्टर निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण, वाद विवाद, रोल Comprehensive Evaluation (CCE) प्ले आदि विधियों का प्रयोग किया जा सकेगा। External Assessment: Section(A): Very Short Questions University Exam Section Section (B): Short Questions 60

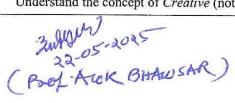
Any remarks/ suggestions: To study theoretical papers, it would be better if a visual slide show of the paintings of European art masters or a film related to them could be shown. Through this activity, students will be able to understand the theory better.

Section (C): Long Questions

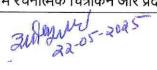
Edourard Manet एडवर्ड माने , Gustave Courbet गुस्ताव कोर्बे,

3 All 23-05-20 & STORES

			Part A II	ntroduction		
Program: 2 Years PG Class : N Se			MOSTERIOS ENGRESOS	Year: 2nd	Sess	ion: 2025-26
Subj	ject: Drawing & Pair	nting				
1	Course Code		***************************************			
2	Course Title				ndscape Pai ाक दृश्य चित्र	
3	Course Type (Core Discipline Specific		Core Cou	rse: Paper – 2 (	Practical)	
4	Pre-requisite (if any	y)	study this course, it is mandatory for the studer completed MA Second semester of Drawing & इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र को ड्राइंग एवं पेंटिं द्वितीय सेमेस्टर उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।		ving & Painting. ा एवं पेंटिंग में एम.ए.	
5	Course Learning ou (CLO)	itcomes	im: • It t thr • It li iml • क्रिप • • अ प्रकृ • या अमृ तक	oue the work with p रिटेव लैंडस्केप (सृजन ब विद्यार्थी यथार्थवाद ति की व्यक्तिगत औ ह कोर्स विद्यार्थियों क र्त्तन (Abstraction) उ नीकों के माध्यम से प्र	tions of nature. m, abstraction, an rom literal copying versonal vision. (realism) की सीम र कल्पनाशील व्यार ो अभिव्यंजनावाद () भीर भाव-सृजन (Mo म्कृति को चित्रित क म अनुकरण (literal कार्य में निजी दृष्टिक	d mood creation g and urges them to पाठ्यक्रम निष्कर्ष ाओं से आगे बढ़कर ड्या करना सीखते हैं। Expressionism), ood Creation) की रना सिखाता है।
6	Credit Value		05			
7	Total Marks		Max. Mark	s: 100	Min. Passing l	Marks: 40
Γotal L-T-	No. of Lectures-Tuto			nt of the Cours ours per week):	se	
Un	it		Topic	S		No. of Lectures
1	I Introduction and Idea Generation  • Understand the concept			ive (not Realistic)	Landscape.	



	<ul> <li>Practice idea development through freehand thumbnail sketches from memory and imagination.</li> <li>प्रस्तावना एवं विचार-सृजन</li> <li>यथार्थवादी नहीं, बल्कि रचनात्मक लैंडस्केप की संकल्पना को समझना।</li> <li>स्मृति और कल्पना से फ्रीहैंड थंबनेल स्केच बनाकर विचारों का विकास करना।</li> </ul>	
П	Composition and Space Organization  Plan creative compositions by arranging elements (hills, trees, water, sky) imaginatively.  Experiment with division of space: foreground, middle ground, background creatively (not strict perspective).  संरचना और स्थान का संगठन  पर्वत, वृक्ष, जल, आकाश आदि तत्वों को कल्पनाशील ढंग से संयोजित करके रचनात्मक संरचना की योजना बनाना।  स्थान विभाजन (foreground, middle ground, background) का रचनात्मक प्रयोग, पारंपरिक परिप्रेक्ष्य के बंधन से मुक्त होकर।	
Ш	Creative Use of Colors and Techniques  • Apply emotional, imaginative color schemes (not naturalistic).  • Try creative techniques: dripping, splashing, palette knife, bold brushwork.  रंगों और तकनीकों का रचनात्मक प्रयोग  • प्राकृतिक न होकर, भावनात्मक और कल्पनात्मक रंग योजना का प्रयोग करना।  • ड्रिपिंग, स्प्लैशिंग, पैलेट नाइफ, बोल्ड ब्रशवर्क जैसी रचनात्मक तकनीकों का अभ्यास करना।	
IV	Stylization and Emotional Expression  • Simplify and stylize shapes to convey mood or story (like fantasy forests, dream rivers).  • Express feelings (happiness, mystery, dreaminess) through distortions and color emphasis. शैलीकरण और भावनात्मक अभिव्यक्ति  • आकृतियों को सरलीकृत और शैलीबद्ध करके भाव या कथा को व्यक्त करना (जैसे कल्पना लोक के जंगल, स्वप्नवत नदियाँ)।  • विकृति और रंगों के ज़ोरदार प्रयोग से भावनाओं (प्रसन्नता, रहस्य, स्वप्नवत अनुभव) की अभिव्यक्ति करना।	
V	Final Creative Paintings for Display	



- समाप्त बड़ी रचनात्मक पेंटिंग्स का निर्माण करना।
- कलाकृतियों को साफ-सुथरे ढंग से अंतिम प्रदर्शनी या मूल्यांकन के लिए तैयार करना।

Keywords/Tags: creative landscapes, drawing & sketching, landscape drawing, skyscape, plan air drawing

# Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

- 1. "Landscape Painting Inside and Out", Author: Kevin Macpherson
- 2. "Expressive Landscape Painting: Freeing Yourself to Paint What You Feel", Author: Carole Katchen
- 3. "Creative Landscape Painting", Author: Edward Betts
- 4. "The Landscape Painter's Workbook", Author: Mitchell Albala
- 6. "Drishya Kala Mein Bhoomikayein" (दृश्यकला में भूमिकाएँ), Author: Dr. G.K. Agrawal
- 7. "Adhunik Chitrakala" (आधुनिक चित्रकला)
- 8. "Chitrakala Ki Shiksha" (चित्रकला की शिक्षा), Author: Dr. Rajeev Lochan

### Suggested equivalent online courses:

### Part D-Assessment and Evaluation

# **Suggested Continuous Evaluation Methods:**

Maximum Marks:100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 40 Marks University Exam (UE): 60 Marks

Internal Assessment: Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Before appearing for each semester's practical examination, every student must submit 5 finished works per practical paper at the exam center.  Submission must be properly labeled, signed by the student, and countersigned by the concerned teacher.  Students will not be permitted to appear in the Practical Examination without prior submission and approval of the assigned works.  These submitted works will also be part of internal assessment and record-keeping.  प्रत्येक सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा में उपस्थित होने से पहले, प्रत्येक छात्र को परीक्षा केंद्र पर प्रत्येक प्रायोगिक पत्र के लिए 5 पूर्ण कार्य प्रस्तुत करने होंगे।  प्रस्तुत किए गए कार्यों को उचित रूप से लेबल किया जाना चाहिए, छात्र द्वारा हस्ताक्षरित और संबंधित शिक्षक द्वारा काउंटरसाइन किया जाना चाहिए।	40
External Assessment:	Its practical exam will continue for 2 days, 4	
University Practical Exam	hours will be given for practical work on each	60
Time: $(4 \text{ Hrs. } X \text{ 2 days} = 08 \text{ Hours})$	day, thus total 08 hours will be given.	

Any remarks/ suggestions:

- Promote Imagination Over Copying:

Encourage students to develop original ideas rather than merely imitating nature.

- Organize Outdoor Sketching Trips:

Arrange regular nature visits to inspire creativity and fresh observation skills.

3m 0 22-05-2025

- Teach Experimental Techniques:

Introduce creative methods like palette knife, texture creation, and unconventional color use.

- Provide Open Themes for Projects:

Give freedom in project topics (like dream landscapes, fantasy worlds) to boost innovation.

- Conduct Creative Exhibitions:

Host exhibitions showcasing experimental landscapes to build student confidence and appreciation for creative expression.

• कल्पनाशक्ति को प्रोत्साहन – अनुकरण नहीं

छात्रों को प्रकृति की नकल करने के बजाय मौलिक विचार विकसित करने के लिए प्रेरित करें।

• बाह्य रेखांकन यात्राओं का आयोजन

प्रकृति भ्रमण की नियमित व्यवस्था करें, जिससे छात्रों में नई प्रेरणा और अवलोकन क्षमता विकसित हो।

• प्रयोगात्मक तकनीकों का शिक्षण

पैलेट नाइफ, टेक्सचर निर्माण, असामान्य रंग प्रयोग जैसी रचनात्मक तकनीकों से विद्यार्थियों को परिचित कराएँ।

• प्रोजेक्ट हेतु मुक्त विषय चयन

छात्रों को स्विप्रल दृश्यों, कल्पना लोक जैसे विषयों पर कार्य करने की स्वतंत्रता दें. जिससे नवाचार को बढ़ावा मिले।

• रचनात्मक प्रदर्शनियों का आयोजन

प्रयोगात्मक लैंडस्केप रचनाओं की प्रदर्शनियों का आयोजन कर छात्रों में आत्मविश्वास और कलात्मक अभिव्यक्ति के प्रति

सम्मान उत्पन्न करें।

3mly 22-05-202

	Part A Introduction						
Program: 2 Years PG Class : N		Vear: 2nd		Session: 2025-26			
Subj	ject: Drawing & Pair	nting					
1	Course Code	-			*******		
2	Course Title			Copy From Old M हान चित्रकारों की वृ	lasters Painting ृतियों की अनुकृति		
3	Course Type (Core Discipline Specific		Core Co	urse : Paper – 3 (Prac	tical)		
4	Pre-requisite (if any)		study this course, it is mandatory for the student to have completed MA Second semester of Drawing & Painting. इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र को ड्राइंग एवं पेंटिंग में एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।				
5	Course Learning ou (CLO)	itcomes	• Uni Structure of the	ish handling used by great mass velop Observation Skills: idents will improve their abilit tures, and detailing accurately asp Composition and Balance: idents will understand how may be composition and visual has hance Technical Confidence: replicating complex artworks, if idence in handling different print Insight into Artistic Styles: dents will experience firsthandious master artists, enriching the trailing to the trailing that a proposition and will experience firsthandious master artists, enriching the trailing that a proposition and the trailing that a proposition and the trailing that a proposition are the trailing and tra	ethods of drawing, color mixing, and sters.  y to observe proportions, tones, . sters structured their paintings with rmony. students will build practical painting media. d the unique styles and approaches of heir own creativity.  सेत करना: छात्र पारंपरिक रेखांकन की तकनीकों को सीखेंगे, जिनका प्रयोग । अनुपात, टोन, टेक्सचर और सूक्ष्म र दर्शाने की क्षमता में सुधार करेंगे। छात्र यह समझेंगे कि किस प्रकार महान गाली संरचना और दृष्टिगत संतुलन स्थापित		

3m 12 05-20 25 CP-of-ANOK BHAWSAR

6	Credit Value	edit Value 05		
7	Total Marks	Max. Marks: 100	Min. Passing Marks: 40	
		Part B- Content of the	Course	
Total L-T-		ials-Practical (in hours per w	veek):	
Ur	nit	Topics	No. of Lectures	
1	Van Gogh, e  Choose one of skill level.  महान चित्रकारों की कृति  महान चित्रकारों का पा  चयनित महान चित्रकारें का अध्ययन करें।	les and techniques of selected old maste (c.). or two paintings suitable for copying bas यों की अनुकृति – अध्ययन और अभ्यास प्रब्रि	ed on personal interest and ज्या आदि) की शैली और तकनीकों	
Į II	imaginatively  Experiment v  creatively (no रचना और स्थान विन्यास  चित्र के तत्वों (पहाड़, वृध बनाएं।	compositions by arranging elements (hil	le ground, background ने व्यवस्थित करने की योजना	
III	<ul> <li>Practice small understand the trili का अध्ययन और तक</li> <li>चयनित चित्रकार की रंग</li> </ul>	naster's color palette and prepare similar I portions of the painting (like a section of e brushwork and layering. नीकी अभ्यास योजना का विश्लेषण करें और मिलते-जुलते (जैसे वस्त, आकाश, चेहरा आदि) को अभ्या	of fabric, sky, or face) to : रंग मिश्रण तैयार करें।	
IV	tones, textures  Work patiently सम्पूर्ण चित्र का निष्पादन • चयनित चित्र की पूरी प्रति	y layer by layer, correcting mistakes and कित तैयार करें, टोन, टेक्सचर और फिनिशि	l refining details gradually. ांग पर विशेष ध्यान देते हुए।	

	Finishing and Exhibition Preparation	
	<ul> <li>Apply final touches (highlighting, blending, edges) to closely match the masterwork.</li> </ul>	
V	<ul> <li>Prepare the finished copy neatly for internal display or final exhibition with proper mounting/framing.</li> </ul>	
	अंतिम चरण और प्रदर्शनी की तैयारी	
	• अंतिम रेखाएँ, ब्लेंडिंग, किनारों की सटीकता आदि जैसे अंतिम स्पर्श देकर चित्र को पूर्ण करें।	
	• तैयार प्रतिकृति को उचित माउंटिंग/फ्रेमिंग के साथ आंतरिक प्रदर्शन या अंतिम प्रदर्शनी के लिए व्यवस्थित करें।	

Keywords/Tags: creative landscapes, drawing & sketching, landscape drawing, skyscape, plan air drawing

# Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

- 1. "The Master's Brush: Copying the Old Masters", Author: Alvaro Castagnet
- 2. "Drawing on the Right Side of the Brain", Author: Betty Edwards
- 3. "The Complete Guide to Copying Old Masters", Author: William Whitaker
- 4. "Pracheen Chitrakarita Aur Unka Adhyayan" (प्राचीन चित्रकला और उनका अध्ययन), Author: Dr. R.K. Sharma
- 5. "Chitrakala: Prashikshan Aur Abhyas" (चित्रकला: प्रशिक्षण और अभ्यास), Author: Dr. K.K. Agarwal
- 6. "Kala Ki Shiksha" (कला की शिक्षा), Author: Dr. V.S. Chouhan

# Suggested equivalent online courses:

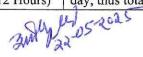
# Part D-Assessment and Evaluation

### **Suggested Continuous Evaluation Methods:**

Maximum Marks:100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 40 Marks University Exam (UE): 60 Marks

Internal Assessment: Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Before appearing for each semester's practical examination, every student must submit 5 finished works per practical paper at the exam center.  Submission must be properly labeled, signed by the student, and countersigned by the concerned teacher.  Students will not be permitted to appear in the Practical Examination without prior submission and approval of the assigned works.  These submitted works will also be part of internal assessment and record-keeping.  प्रत्येक सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा में उपस्थित होने से पहले, प्रत्येक छात्र को परीक्षा केंद्र पर प्रत्येक प्रायोगिक पत्र के लिए 5 पूर्ण कार्य प्रस्तुत करने होंगे।  प्रस्तुत किए गए कार्यों को उचित रूप से लेबल किया जाना चाहिए, छात्र द्वारा हस्ताक्षरित और संबंधित शिक्षक द्वारा काउंटरसाइन किया जाना चाहिए।	40
External Assessment :	Its practical exam will continue for 3 days, 4	<b>CO</b>
University Practical Exam	hours will be given for practical work on each	60
Fime: $(4 \text{ Hrs. } X 3 \text{ days} = 12 \text{ Hours})$	day, thus total 12 hours will be given.	



Any remarks/ suggestions:

1. Emphasize Technique Over Exact Replication:

Encourage students to focus on learning the techniques of the old masters rather than merely copying their works exactly. Understanding their methods of brushwork, color mixing, and texture will enhance students' technical skills.

2. Provide a Diverse Range of Masterworks to Copy:

Introduce students to a variety of old masters from different periods and styles (e.g., Renaissance, Baroque, Impressionism). This will help them gain insight into diverse techniques and develop a broader artistic perspective.

3. Encourage Critical Analysis and Discussion:

After completing copies, encourage students to reflect on the challenges they faced, analyze the master's techniques, and discuss how they can integrate these insights into their own creative work.

- ा तकनीक को प्राथमिकता दें, हूबहू अनुकरण को नहीं: छात्रों को प्राचीन चित्रकारों की रचनाओं की केवल नकल करने की बजाय, उनके ब्रशवर्क, रंग मिश्रण, परत दर परत कार्य पद्धित तथा बनावट (texture) की तकनीकों को सीखने के लिए प्रेरित करें। यह अभ्यास उनकी तकनीकी क्षमता को सुदृढ़ करेगा और उन्हें आगे चलकर अपनी शैली विकसित करने में सहायक होगा।
- 2 विविध शैलियों और कालखंडों के चित्रकारों से परिचय कराएँ: पुनर्जागरण (Renaissance), बैरोक (Baroque), इम्प्रेशनिज़्म (Impressionism) जैसे विभिन्न कालों और शैलियों के चित्रकारों की कृतियाँ चुनने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करें। इससे उन्हें विभिन्न दृष्टिकोणों, तकनीकों और सौंदर्यबोध की समझ विकसित करने में सहायता मिलेगी।
- 3 आलोचनात्मक विश्लेषण और चर्चा को प्रोत्साहन दें: चित्र की अनुकृति पूर्ण होने के बाद छात्रों को इस प्रक्रिया में आई चुनौतियों पर विचार करने, मूल चित्रकार की तकनीकों का विश्लेषण करने, और इस अनुभव को अपनी व्यक्तिगत रचनात्मक शैली में कैसे अपनाया जा सकता है, इस पर चर्चा के लिए प्रेरित करें।

3my 12205-2025

			Part A I	ntroduction	
Program: 2 Years PG Class: M Ser		Year: 2nd		Session: 2025-26	
Subj	ject: Drawing & Pair	nting		I.	
1	Course Code				**********
2	Course Title			Full Figure from मानवाकृति चित्रप	(5) (5) (5) (5) (6) (6) (6) (6) (6) (6) (6) (6) (6) (6
3	Course Type (Core Discipline Specific		Core Co	urse: Paper – 4 (Prac	tical)
4	Pre-requisite (if an	y)	study this course, it is mandatory for the student to har completed MA Second semester of Drawing & Paintin इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र को ड्राइंग एवं पेंटिंग में एम. द्वितीय सेमेस्टर उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।		ster of Drawing & Painting. छात्र को ड्राइंग एवं पेंटिंग में एम.ए.
5	Course Learning outcomes (CLO)		Aj St an cool in St hu was ble con so	atomy while learning how lors to represent the human nproved Observation, Drudents will enhance their a man figure from life onto a tercolor, or acrylic with a ending, glazing, and texturing Gesture, Mover fects: Indents will learn to capture dy using different mediur lotion, mastering technique ld texture in acrylic, and summit-yhum, and it is a mile an ending learn to capture of get fallen, and summit-yhum, and it is a mile an ending learn to capture of get fallen, and summit-yhum, and it is a mile an ending la fallen, and it is a mile an ending la fallen, and it is a mile an ending la fallen, and it is a mile an ending la fallen, and it is a mile an ending la fallen, and it is a mile an ending la fallen, and it is a mile an ending la fallen, and it is a mile an ending la fallen, and it is a mile an ending la fallen, and it is a mile an ending la fallen, and it is a mile an ending la fallen, and it is a mile an ending la fallen, and it is a mile an ending la fallen, and it is a mile an ending la fallen, and it is a mile an ending la fallen, and it is a mile an ending la fallen, and it is a mile an ending la fallen, and it is a mile an ending la fallen, and it is a mile an ending la fallen en	randing of human proportions and to use oil, watercolor, and acrylic in figure accurately in various poses. rawing, and Painting Techniques: bility to observe and translate the canvas or paper, applying oil, appropriate techniques such as ing.  nent, and Medium-Specific  the dynamic nature of the human is to express movement and es like fluid washes in watercolor, ubtle shading in oil painting.  और माध्यम प्रयोग में पारंगता:    जोर शरीर रचना का समुचित ज्ञान कर और एक्रेलिक रंगों का उपयोग व आकृति को यथार्थ रूप में चित्रित  चेत्रण तकनीकों में सुधार:   सूक्ष्म प्रेक्षण कर उसे कैनवास या करने की क्षमता विकसित करेंगे, तथा रंगों का उपयुक्त तकनीकों (जैसे

BIR HITE RITE OF TRUITMENT OF THE BIR HAWSAR

		करेंगे, विभिन्न माध्य अभिव्यक्ति करेंगे - सशक्त टेक्सचर, त	वॉश, एक्रेलिक में	
6	Credit Value		05	
7	Total Marks	Max. Marks: 100	Min. Passing 1	Marks: 40
	Part	B - Content of the C	Course	
Tota	l No. of Lectures-Tutorials-Pra -P:	ctical (in hours per we	eek):	
U	nit	Topics		No. of Lectures
ĵ	the structure of the bo • Start with basic gesture form in simple poses.  I मानवाकृति चित्रण (लाईफ स्टब् • मानव शरीर रचना और आकार संरचना पर विशेष ध्यान देना। • सरल मुद्राओं में मानव आकृति drawing) और त्वरित स्केच से प्रा	als of human anatomy and prody. ure drawing and quick sketch . डी) अध्ययन की भूमिका और -प्रमाण की मूलभूत जानकारी प्र को पकड़ने के लिए मूलभूत भारतंभ करना।	nes to capture the human र <b>मूल रेखांकन</b> ग्राप्त करना, शरीर की	
I	<ul> <li>proportions, paying a</li> <li>Focus on details like shading to depict volume</li> </ul>	erve and sketch the full figur ttention to body posture and limbs, joints, and facial featu ame and depth. माण के साथ प्रेक्षण कर चित्रित न पर ध्यान देना। शेषताओं जैसी सूक्ष्म बातों पर ध	balance. ires, gradually adding करने की क्षमता विकसित	
111	<ul> <li>application for figure</li> <li>Practice using washes</li> <li>acrylic, and blending</li> </ul>	ercolor, acrylic, and oil pain painting. and glazes for watercolor, in oil painting to represent ल पेंट जैसे विभिन्न चित्रण माध्य	layering techniques in the human form. मों का मानव आकृति	
IV	Full Figure Painting Techniq	ues		9

3/42/05-2025

	<ul> <li>Start working on larger life-sized studies, applying the learned techniques of light and shadow, texture, and color application in chosen mediums.</li> <li>Focus on refining the full-body figure, making adjustments to proportions, depth, and tone as needed.</li> <li>सम्पूर्ण आकृति चित्रण तकनीक</li> <li>जीवन आकार की बड़ी रचनाओं पर कार्य आरंभ करना, जिनमें प्रकाश-छाया, टेक्सचर</li> </ul>	
	और रंगों के प्रयोग की सीखी गई तकनीकों को लागू करना। • पूर्ण मानव आकृति को परिष्कृत करना, आवश्यकतानुसार माप-प्रमाण, गहराई और टोन में	
	सुधार करते रहना।	
V	Final Exhibition Preparation  Apply final details, highlights, and corrections to the figure painting, ensuring proper proportions, color balance, and texture.  Prepare the painting for exhibition with appropriate framing and presentation, reflecting the learned techniques in a polished, professional manner.  in a polished, professional man	

Keywords/Tags: Life Drawing Techniques, Human Figure Anatomy, Full Figure Painting, Gesture Drawing, Figure Study from Life

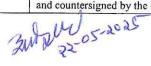
# Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

- 1. "Figure Drawing for All It's Worth", Author: Andrew Loomis
- 2. "The Anatomy of Figure Drawing", Author: Thomas S. S.
- 3. "Drawing the Human Form: Methods, Sources, and Materials", Author: William L. Maughan
- 4. "Chitrakala: Prashikshan Aur Abhyas" (चित्रकला: प्रशिक्षण और अभ्यास), Author: Dr. K.K. Agarwal
- 5. "Kala Ki Shiksha" (कला की शिक्षा), Author: Dr. V.S. Chouhan

# Suggested equivalent online courses:

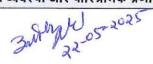
Part	D-Assessment and Evaluation	
Suggested Continuous Evaluation	on Methods:	
Maximum Marks :100		
Continuous Comprehensive Evaluation	on (CCE): 40 Marks University Exam (UE): 60 Marks	
Internal Assessment: Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Before appearing for each semester's practical examination, every student must submit 5 finished works per practical paper at the exam center.  Submission must be properly labeled, signed by the student, and countersigned by the concerned teacher.	40



	Students will not be permitted to appear in the Practical Examination without prior submission and approval of the assigned works.  These submitted works will also be part of internal assessment and record-keeping. प्रत्येक सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा में उपस्थित होने से पहले, प्रत्येक छात्र को परीक्षा केंद्र पर प्रत्येक प्रायोगिक पत्र के लिए 5 पूर्ण कार्य प्रस्तुत करने होंगे। प्रस्तुत किए गए कार्यों को उचित रूप से लेबल किया जाना चाहिए, छात्र द्वारा हस्ताक्षरित और संबंधित शिक्षक द्वारा काउंटरसाइन किया जाना चाहिए।	
External Assessment:	Its practical exam will continue for 3 days, 4	
University Practical Exam	hours will be given for practical work on each	60
Time: $(4 \text{ Hrs. } X \text{ 3 days} = 12 \text{ Hours})$	day, thus total 12 hours will be given.	

#### Any remarks/ suggestions:

- 1. Arranging a Suitable Model for Life Study and Payment Mechanism
  - Students: Focus on learning to draw models in various poses, from simple to complex, and understanding body dynamics.
  - Institute: Establish a fair payment mechanism for models, ensuring timely and respectful compensation.
     Develop a budget for model fees, taking into account the duration and complexity of sessions.
- 2. Proper Lighting Setup for Accurate Observation
  - Students: Focus on how to use single and multiple light sources to create dramatic effects, defining the body's
    volume and highlighting key muscles and contours.
  - Institute: Ensure access to adjustable lighting systems like soft boxes, spotlights, and diffusers to give students hands-on experience with different lighting setups.
- 3. Use of Drapery to Enhance Composition and Texture
  - Students: Practice drawing fabric drapery along with the human figure to understand the interplay of texture, shadows, and volume
  - Institute: Provide a variety of fabrics for students to experiment with, such as silk, linen, and wool, encouraging
    them to explore different textures in their studies.
- 4. Inviting Senior Artists for Live Demonstrations
  - Students: Attend demonstrations by senior artists to learn advanced techniques in gesture drawing, proportions, and the use of mediums like oil, watercolor, and acrylic.
  - Institute: Regularly invite renowned artists for live demonstrations and workshops to expose students to diverse styles and methods, motivating them to improve and experiment.
- 5. Creating a Comfortable and Professional Environment with Respect for Models
  - Students: Be mindful of the model's comfort, as this impacts the naturalness of their pose. Respect for the
    model will also help in cultivating a professional working environment.
  - Institute: Ensure comfortable seating, appropriate breaks, and a neutral background for the model. Implement a
    system for model payment, ensuring it is both fair and respectful, based on the session duration and
    complexity.
- 1. जीवन अध्ययन के लिए उपयुक्त मॉडल की व्यवस्था और पारिश्रमिक प्रणाली



- विद्यार्थी: सरल से जटिल मुद्राओं में मॉडल की ड्राइंग करना सीखें तथा शरीर की गति और भंगिमा को समझें।
- संस्थान: मॉडल के लिए एक न्यायसंगत पारिश्रमिक प्रणाली स्थापित करें, जिसमें समय पर और सम्मानजनक भुगतान सुनिश्चित किया जाए। सत्र की अवधि और जटिलता को ध्यान में रखते हुए बजट तैयार करें।

# 2. सटीक प्रेक्षण हेतु उपयुक्त प्रकाश व्यवस्था

- विद्यार्थी: एकल और बहु-प्रकाश स्रोतों का प्रयोग करना सीखें ताकि शरीर की आयतनता, मांसपेशियों और रूपरेखा को स्पष्ट रूप से दर्शाया जा सके।
- **संस्थान:** समायोज्य प्रकाश व्यवस्था जैसे सॉफ्ट बॉक्स, स्पॉटलाइट, और डिफ्यूज़र उपलब्ध कराएँ ताकि विद्यार्थी विभिन्न प्रकाश संयोजनों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर सकें।

# 3. वस्त-आवरण (Drapery) के माध्यम से रचना और बनावट में विविधता

- विद्यार्थी: मानव आकृति के साथ वस्त्रों की ड्राइंग का अभ्यास करें, जिससे बनावट, छाया और आयतन की परस्पर क्रिया को समझा जा सके।
- संस्थान: रेशम, लिनन, ऊन जैसे विविध प्रकार के वस्त्र उपलब्ध कराएँ ताकि विद्यार्थी बनावट की विविधता का अध्ययन कर सकें।

# 4. वरिष्ठ कलाकारों द्वारा प्रत्यक्ष प्रदर्शन (Live Demonstrations)

- विद्यार्थी: वरिष्ठ कलाकारों के लाइव प्रदर्शन में भाग लें और भाव-रेखांकन, आकार-प्रमाण तथा माध्यमों (ऑयल, वॉटरकलर, एक्रेलिक) के प्रयोग की उन्नत तकनीकें सीखें।
- संस्थान: नियमित रूप से ख्यातिप्राप्त कलाकारों को आमंत्रित करें ताकि विद्यार्थी विभिन्न शैलियों और कार्यप्रणालियों से परिचित हो सकें और नवाचार हेतु प्रेरित हों।

# 5. मॉडल के प्रति सम्मानपूर्वक और व्यावसायिक वातावरण का निर्माण

- विद्यार्थी: मॉडल की सुविधा का ध्यान रखें क्योंकि उसका सहजता से बैठना मुद्राओं की स्वाभाविकता को प्रभावित करता है। मॉडल के प्रति सम्मान भाव व्यावसायिक वातावरण को सुदृढ़ बनाता है।
- संस्थान: मॉडल हेतु आरामदायक आसन, उचित विश्राम समय और तटस्थ पृष्ठभूमि सुनिश्चित करें। सत्र की अवधि और जटिलता के आधार पर सम्मानजनक पारिश्रमिक हेतु एक व्यवस्थित प्रणाली लागू करें।

200 12 05-200 5

			Part A In	troduction	
Program: 2 Years PG Class: Se		M.A. IV	Year: 2 <sup>nd</sup>	Session: 2025-26	
Sub	ject: Drawing & Pair				
1	Course Code				
2	Course Title		C	Criticism and Ph कला समीक्ष	
3	Course Type (Core Course/ Discipline Specific Elective/)		Core Cour	se: Paper – 1 (Theory	
4	Pre-requisite (if any)		complet	ed MA Third semeste	tory for the student to have er of <b>Drawing &amp; Painting.</b> छात्र को <b>चित्रकला</b> में एमए तृतीय ना अनिवार्य है।
5	Course Learning ou (CLO)		Students will understandin -Understandin -Understandin Gudents will art, including -Engaging w Students will art, developin philosophical -Exploring to Students will culture, politi -Building Pe Students will refining their and globally पाठ्यक्रम की विश्व किया विश्व किया किया किया स्वां किया किया स्वां किय	g its context, meaning, an ling Art Theories and M gain knowledge of differ major art movements, identify the Art Criticism: be able to write and expring the ability to evaluate a frameworks. he Role of the Artist and examine how art interactics, and the individual's personal Philosophical Perdevelop their own philosophical Perd	ovements: ent philosophical perspectives on eologies, and critical theories. ess their own informed critiques outworks based on established  I Society: s with and influences society, exception of the world. espectives: ophical understanding of art, out is important, both personally se Outcomes)  विश्लेषण एवं व्याख्या करना सीखेंगे, कि मूल्य को समझ सकेंगे।  I: eकोणों, प्रमुख कला आंदोलनों, का ज्ञान अर्जित करेंगे। वने एवं अभिव्यक्त करने में सक्षम र पर कलाकृतियों का मूल्यांकन कर अन्वेषण: iस्कृति, राजनीति तथा व्यक्ति की विश्व साथ कैसे अंतःक्रिया करती है।

22-05-2025 (Prof. Alok BitAWSAR)

			स्पष्ट रूप से व्यक्त करने में क्यों महत्वपूर्ण है।	सक्षम होंगे कि कला व्यक्तिगत	एवं वैश्विक स्तर पर
6		t Value		05	
7	Total	Marks	Max. Marks: 100	Min. Passing N	Aarks: 40
			art B- Content of the (		
Γotal L-T-		Lectures-Tutorials-	Practical (in hours per w	eek):	
	nit		Topics		No. of Lecture
	1	Meaning, Definitions, a	nd Fundamentals of Art	<del> </del>	(1 Hour Each
1		<ul> <li>Various definition society.</li> <li>Discussion of a Composition, foundation of a कला का अर्थ, पां</li> <li>कला का विविध उसकी भूमिका अ</li> </ul>	ons and concepts of art, includir the Fundamentals of Art an Interrelationship of fine art artistic expression रिभाषाएँ एवं मूलभूत तत्व, ललित परिभाषाओं एवं अवधारणाओं का अ रेर उद्देश्य को समझना शामिल है। त्व और संयोजन के सिद्धांतों की चन्	d Principles of s that form the क <b>लाओं का अन्तर्सम्बन्ध</b> ध्ययन, जिसमें समाज में	
п	व	om समालोचना के सिद्ध Introduce the pri and criteria for a कला समालोचना वे विधियाँ और मानदं Six Limbs of Ind Vatsyayana's Kan Yashodhar Pandi भारतीय चित्रकल यशोधर पंडित कृत Examine the class arts, performing कला के वर्गीकरण	dian Painting (Chitra Shadang ma Sutra, Described in Jayaman	कृतियों के मूल्यांकन की ) - Referred to in gala Teeka written by यन के कामसूत्र में संदर्भित, tegories such as visual ts.	
Ш	Introduction to Aesthetics and Indian perspective & Western Perspectives सौंदर्यशास्त्र का परिचय तथा भारतीय दृष्टिकोण एवं पश्चिमी दृष्टिकोण				

	<ul> <li>पूर्वी और पश्चिमी सौंदर्यशास्त्रीय दर्शन की तुलना – उनके सौंदर्य, रूप, एवं कला के साथ भावनात्मक जुड़ाव के अनूठे दृष्टिकोणों पर प्रकाश।</li> </ul>	
IV	Art and Religion, Art and Society and Art and Symbolism कला और धर्म, कला और समाज, कला और प्रतीकात्मकता  Discuss the relationship between art and religion, examining how art has been used to express spirituality and religious symbolism across cultures.  Analyze the connection between art and society, and how symbols in art reflect cultural, social, and political ideologies.  धर्म और कला के संबंध की चर्चा – विभिन्न संस्कृतियों में आध्यात्मिकता एवं धार्मिक प्रतीकों की अभिव्यक्ति में कला की भूमिका।  समाज और कला के संबंध का विश्लेषण – कलाकृतियों में प्रतीकों के माध्यम से सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राजनीतिक विचारधाराओं की अभिव्यक्ति।	
V	Art and Education, Art and Business, Folk Art, Art and and Myths कला एवं शिक्षा, कला एवं व्यवसाय, लोक कला, कला एवं मिथक  Explore the role of art in education, emphasizing its impact on creative thinking and personal development.  Discuss the intersection of art and business, considering how art contributes to economies and corporate culture.  Delve into folk art, its various forms, and how it preserves cultural myths and traditions through creative expression.  शिक्षा में कला की भूमिका का अन्वेषण – रचनात्मक सोच और व्यक्तिगत विकास में इसका प्रभाव।  व्यवसाय और कला के अंतर्संबंध की चर्चा – कला किस प्रकार अर्थव्यवस्था और कॉपीरेट संस्कृति में योगदान करती है।  लोक कला की विविध शैलियों एवं रूपों का अध्ययन – तथा यह कैसे सांस्कृतिक मिथकों और परंपराओं को रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से संरक्षित करती है।	

Keywords/Tags: Art Criticism Principles, Aesthetic Theories, Eastern vs. Western Aesthetics, Art and Society, Folk Art and Myths

# Part C-Learning Resources

### Text Books, Reference Books, Other resources

- 1. "Kala Samiksha evam Darshan" (कला समीक्षा एवं दर्शन), Author: G.K. Agrawal/Ashok
- 2. "Kala Aur Samaj" (कला और समाज), Author: Dr. Shyam Sundar
- 3. "Chitrakala Ka Darshan" (चित्रकला का दर्शन), Author: Dr. S.P. Verma
- 4. "The Philosophy of Art", Author: Hegel
- 5. "Art and Aesthetics", Author: David G. Schultheis
- 6. "Art Criticism: A Comparison of Approaches", Author: C. H. Harrison
- 7. कला सौन्दर्य और समीक्षा शास्त अशोक

### Suggested equivalent online courses:

# Part D-Assessment and Evaluation

**Suggested Continuous Evaluation Methods:** 

2ml 22-05-2025

Maximum Marks :100 Continuous Comprehensive Evaluation	on (CCE): 40 Marks University Exam (UE): 60 Marks	
Internal Assessment: Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test /Assignment/Presentation सी सी ई के अन्तर्गत विषय से सम्बन्धित समूह चर्चा, पोस्टर निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण, वाद विवाद, रोल प्ले आदि विधियों का प्रयोग किया जा सकेगा।	40
External Assessment: University Exam Section Time: 03:00 Hours	Section(A): Very Short Questions Section (B): Short Questions Section (C): Long Questions	60

Suggestion for Students and Institutes:

Encourage Regular Engagement with Art Criticism and Philosophy Discussions

Students: Actively participate in discussions, workshops, and seminars related to art criticism and philosophy.
 Engage with both classical and contemporary works to deepen your understanding of aesthetic theories, art movements, and their impact on modern art. Regularly write critiques and reflections on artworks to refine your analytical and expressive skills.

Institute: Organize regular critique sessions, invite experts in art criticism and philosophy for interactive
lectures, and create a space for students to engage in critical dialogues. Incorporating a variety of art forms and
philosophies from around the world will broaden students' perspectives and strengthen their ability to critically
engage with art.

This suggestion helps both students and institutes foster a dynamic learning environment, nurturing critical thinking and an in-depth understanding of art's role in culture and society.

 विद्यार्थियों को कला समालोचना और कला दर्शन से संबंधित चर्चाओं, कार्यशालाओं एवं संगोष्ठियों में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। पारंपिरक और समकालीन दोनों प्रकार के कलात्मक कार्यों से जुड़कर सौंदर्यशास्त्र, कला आंदोलनों और उनके आधुनिक कला पर प्रभाव को गहराई से समझना आवश्यक है। कलाकृतियों पर नियमित रूप से समालोचना और चिंतन लिखने से विश्लेषणात्मक क्षमता एवं अभिव्यक्तिगत कौशल विकसित होते हैं।

संस्थान को नियमित समालोचना सत्र आयोजित करने चाहिए, जिसमें कला समालोचना एवं दर्शन के विशेषज्ञों को
संवादात्मक व्याख्यानों के लिए आमंत्रित किया जाए। साथ ही विद्यार्थियों के लिए एक ऐसा मंच तैयार किया जाए जहाँ वे
गंभीर कलात्मक चर्चाओं में भाग ले सकें। विभिन्न कलारूपों और वैश्विक दार्शनिक दृष्टिकोणों को पाठ्यक्रम में सम्मिलित
करने से विद्यार्थियों की सोच का दायरा विस्तृत होगा और वे कला के प्रति अधिक आलोचनात्मक व संवेदनशील दृष्टिकोण
विकसित कर सकेंगे।

2my 22-05-2025

			Part A I	ntroduction	
Program: 2 Years PG Class : I			Year: 2nd	Session: 2025-26	
Subj	ect: Drawing & Pain	nting			
1	Course Code			00000000000	
2	Course Title			Illustration दृष्टांत चित्रण (इल	
3	Course Type (Core Discipline Specific		Core Co	urse: Paper – 2 (Prac	tical)
4	4 Pre-requisite (if any)		comple	ted MA Third semester	tory for the student to have r of Drawing & Painting.इस को ड्राइंग एवं पेंटिंग में एमए तृतीय ना अनिवार्य है।
5	Course Learning or (CLO)	itcomes	Students into visual conceptual of Master Students in the Estudents of the	al representations, enhand thinking.  ing Techniques and Mowill learn various illustrations, watercolor, digital by create detailed and extending the Role of Illustrations advertise to can communicate conting Composition and I will develop skills in control of the control of	translate ideas and narratives ancing their creativity and ediums: tration techniques, including media, and mixed media, to expressive artworks. Instration in Communication: Instration serves as a powerful sing, and social commentary, implex ideas simply and Design Skills: Composition, balance, and reate visually appealing and oblicing a professional portfolio

publishing, or animation

2 22 05-2625

(Prof. Alok Brawsak)

7	Fotal Marks	Max. Marks: 100	Min. Passing Marks: 40
6 (	Credit Value		05
		उनकी रचनात्मकता और वैचारिव • तकनीकों और माध्यमों में निग छात्र विभिन्न इलस्ट्रेशन तकनीकों मीडिया और मिक्स्ड मीडिया, जिन्न सकें। • संचार में इलस्ट्रेशन की भूमिव छात्र यह समझ सकेंगे कि इलस्ट्रेश विज्ञापन और सामाजिक टिप्पणिय सरल और प्रभावी ढंग से संप्रेषित • रचना एवं डिज़ाइन कौशल में छात्र संरचना (composition), संत् क्षमताओं को विकसित करेंगे, जिन् • पेशेवर पोर्टफोलियों का निर्मा छात्र विभिन्न इलस्ट्रेशन शैलियों अ	र रूपों में रूपांतरित करने की क्षमता प्राप्त करेंगे, जिससे क सोच में वृद्धि होगी। पुणता प्राप्त करना: को सीखेंगे, जैसे कि पेन और इंक, वॉटरकलर, डिजिटल ससे वे प्रभावशाली और अभिव्यक्तिपूर्ण कलाकृतियाँ बना का को समझना: शन किस प्रकार एक सशक्त माध्यम है जो कहानी कहने, ग्रें के लिए उपयोग किया जाता है तथा जटिल विचारों को करता है। सुधार: एलन (balance), और रंग सिद्धांत (color theory) से जुड़ी ससे वे आकर्षक और सुसंगत इलस्ट्रेशन तैयार कर सकें। ण: शर विषयों को दर्शाने वाला एक पेशेवर पोर्टफोलियो हैं ग्राफिक डिज़ाइन, विज्ञापन, प्रकाशन या एनीमेशन

# Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):

# L-T-P:

Unit	Topics	No. of Lectures
I	Introduction to Illustration Painting and Concept Development  1. Understand the history and evolution of illustration in various fields like literature, advertising, and animation.  2. Develop an idea or concept for an illustration project, focusing on theme, message, and target audience.  Epin चित्रकला एवं संकल्पना विकास का परिचय  1. साहित्य, विज्ञापन तथा एनीमेशन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में दृष्टांत चित्रण के इतिहास और विकास को समझना।  2. किसी दृष्टांत परियोजना हेतु विचार या संकल्पना का विकास करना, जिसमें विषयवस्तु, संदेश तथा लिक्षित दर्शक पर ध्यान केंद्रित किया जाए।	
II	Techniques and Mediums for Illustration  1. Explore traditional media such as pencil, ink, watercolor, and gouache, understanding their uses and application in illustration.  2. Experiment with digital illustration tools like Adobe Illustrator, Photoshop, or other design software to learn digital techniques.  Experiment with digital illustration tools like Adobe Illustrator, Photoshop, or other design software to learn digital techniques.  Experiment with digital illustrator, Photoshop  1. Úten, स्याही, वॉटरकलर तथा ग्वाश जैसे पारंपरिक माध्यमों का प्रयोग और उनके उपयोग व दृष्टांत चित्रण में अनुप्रयोग को समझना।  2. Adobe Illustrator, Photoshop या अन्य डिज़ाइन सॉफ्टवेयर जैसे डिजिटल उपकरणों के साथ प्रयोग करते हुए डिजिटल दृष्टांत तकनीकों को सीखना।	

347 25-2025

	Enlightening, Historical, Mythological, Religious, and Indian Knowledge Systems in Illustration  1. Study and incorporate themes from Indian mythology, religious stories, and historical narratives into illustrations, understanding their symbolic and cultural significance.  2. Explore the visual styles and iconography from traditional Indian art, such as Madhubani, Warli, and Patta Chitra, to create rich, culturally informed illustrations.  3. The students are expected to - According to the Indian knowledge tradition, a student of painting should create illustrations for books that reflect Indian cultural values, religious beliefs, and folk tales. These illustrations may
Ш	बspects of traditional life.  हष्टांत चित्रण में प्रबोधनात्मक, ऐतिहासिक, पौराणिक, धार्मिक एवं भारतीय ज्ञान परंपराएँ  1. भारतीय पौराणिक कथाओं, धार्मिक कथाओं एवं ऐतिहासिक प्रसंगों को समझकर उन्हें दृष्टांत चित्रों में समाविष्ट करना तथा उनके प्रतीकात्मक और सांस्कृतिक महत्व को जानना।  2. मधुबनी, वारली, पट्टचित्र आदि पारंपरिक भारतीय कला शैलियों की दृश्यात्मक विशेषताओं एवं चिह्नों का अध्ययन कर समृद्ध, सांस्कृतिक रूप से समावेशी दृष्टांत चित्र बनाना।  3. छात्रों से अपेक्षा है कि - भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुसार, चित्रकला के विद्यार्थी को ऐसी पुस्तकों के इलस्ट्रेशन बनाने चाहिए जो भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, धार्मिक मान्यताओं, और लोक कथाओं को दर्शाती हों। इन इलस्ट्रेशन में देवताओं, पौराणिक पात्रों, प्राकृतिक दृश्यों, और पारंपरिक जीवन के विविध पहलुओं को शामिल किया जा सकता है।
IV	Composition, Layout, and Visual Storytelling  1. Practice composition principles such as balance, proportion, and focus to create dynamic, engaging illustrations.  2. Learn visual storytelling techniques, focusing on how to convey a story or emotion through images and design.  रचना, विन्यास तथा दश्यात्मक कथा-वाचन  1. संतुलन, अनुपात और फोकस जैसे रचनात्मक सिद्धांतों का अभ्यास करते हुए आकर्षक एवं गतिशील चित्र रचना का अभ्यास करना।  2. दृश्यात्मक कथा-वाचन की तकनीकों को सीखना, जिसमें केवल चित्रों के माध्यम से कथा या भावनाओं को व्यक्त करना शामिल है।
V	Final Publishing and Presentation  1. Prepare illustrations for publishing by understanding the correct formats, resolutions, and color profiles required for print or digital media.

3M 0/2205-2025

Create a professional portfolio to showcase the finalized illustrations, including selecting appropriate layouts and presentation styles for client or public display.

### प्रकाशन एवं अंतिम प्रस्तुति

- प्रिंट या डिजिटल मीडिया में प्रकाशन हेतु उपयुक्त प्रारूप, रेजोल्यूशन एवं रंग प्रोफ़ाइल की जानकारी प्राप्त कर चित्रों को प्रकाशन योग्य बनाना।
- अंतिम रूप से तैयार चित्रों को प्रदर्शित करने हेतु एक व्यावसायिक पोर्टफोलियो तैयार करना, जिसमें उपयुक्त विन्यास और प्रस्तुति शैली का चयन किया जाए – ग्राहकों अथवा सार्वजनिक प्रदर्शन हेतु।

Keywords/Tags: Indian Mythological Illustration, Historical Art Narratives, Religious Symbolism in Art, Cultural Iconography in Illustration, Traditional Indian Art Styles

# Part C-Learning Resources

- 1. "Illustration: A Visual History" Author: Stephen P. Thompson
- 2. "The Art of Illustration" Author: Charles Pearce
- 3. "Drawing and Illustration" Author: Keith Press
- 4. "Chitrakala: Kalpana aur Abhivyakti" (चित्रकला: कल्पना और अभिव्यक्ति)Author: Prof. R.K. Kothari
- 5. "Chitrakala Ki Rooprekha" (चित्रकला की रूपरेखा)Author: Dr. M.K. Soni

# Suggested equivalent online courses:

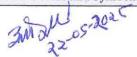
### Part D-Assessment and Evaluation

### **Suggested Continuous Evaluation Methods:**

Maximum Marks:100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 40 Marks University Exam (UE): 60 Marks

Internal Assessment: Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Before appearing for each semester's practical examination, every student must submit 5 finished works per practical paper at the exam center.  Submission must be properly labeled, signed by the student, and countersigned by the concerned teacher.  Students will not be permitted to appear in the Practical Examination without prior submission and approval of the assigned works.  These submitted works will also be part of internal assessment and record-keeping.  प्रत्येक सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा में उपस्थित होने से पहले, प्रत्येक छात्र को परीक्षा केंद्र पर प्रत्येक प्रायोगिक पत्र के लिए 5 पूर्ण कार्य प्रस्तुत करने होंगे।  प्रस्तुत करने होंगे।  प्रस्तुत किए गए कार्यों को उचित रूप से लेबल किया जाना चाहिए, छात्र द्वारा इस्ताक्षरित और संबंधित शिक्षक द्वारा काउंटरसाइन किया जाना चाहिए।	40
External Assessment: University Practical Exam Time: (4 Hrs. X 3 days = 12 Hours)	Its practical exam will continue for 3 days, 4 hours will be given for practical work on each day, thus total 12 hours will be given.	60



- For Students: Students should explore traditional Indian art forms such as Madhubani, Warli, Patta Chitra, and
  Tanjore and other modern art styles to create illustrations that are deeply rooted in Indian culture.
  Incorporating Indian motifs, symbolism, and mythological themes into their illustrations can help preserve and
  promote cultural heritage while adding uniqueness to their work.
- For Institutes: Art institutes should offer dedicated courses on Indian folk art, mythology, and symbolism in illustration painting. Providing students with an understanding of these rich traditions will enable them to create contemporary illustrations that celebrate and preserve India's artistic legacy.
- छात्रों के लिए: छात्रों को पारंपरिक भारतीय कला रूपों जैसे — मधुबनी, वारली, पट्टचित्र और थंजावुर (तंजावुर) एवं अन्य आधुनिक कला शैलियों के माध्यम का अध्ययन करना चाहिए ताकि वे ऐसे दृष्टांत (illustration) बना सकें जो भारतीय संस्कृति में गहराई से रचे-बसे हों। भारतीय रूपांकनों (motifs), प्रतीकों और पौराणिक विषयवस्तु को अपने चित्रों में सम्मिलित करके वे न केवल सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण कर सकते हैं, बल्कि अपने कार्य में एक विशिष्टता और मौलिकता भी जोड़ सकते हैं।
  - संस्थानों के लिए: कला संस्थानों को दृष्टांत चित्रण (Illustration Painting) में भारतीय लोक कला, पौराणिक कथाओं और प्रतीकवाद पर केंद्रित विशेष पाठ्यक्रम चलाने चाहिए। छात्रों को इन समृद्ध परंपराओं की समझ प्रदान करके, वे समकालीन दृष्टांत तैयार करने में समर्थ बनेंगे जो भारत की कलात्मक विरासत को सम्मानपूर्वक संरक्षित और प्रस्तुत करते हैं।

3md 205 2025

			Part A I	ntroduction	Berry Carlot	
Pro	Program: 2 Years PG Class : I		Monopoli and Marie	Year: 2nd	Session: 2025-26	
Subj	ject: Drawing & Pair	iting	1			
1	Course Code			***************************************		
2	Course Title  Course Type (Core Course/ Discipline Specific Elective/)  Pre-requisite (if any)		Creative Composition सृजनात्मक चित्र संयोजन			
3			Core Cou	rse: Paper – 3 (Pract	8	
4			study this course, it is mandatory for the student to have completed MA Third semester of Drawing & Painting.इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र को ड्राइंग एवं पेंटिंग में एमए तृतीय सेमेस्टर उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।			
5	Course Learning ou (CLO)	tcomes			gination, observation, and rol over elements of art (line, oles of design (balance, contrast, sitions. rratives Visually: unicate emotions, stories, and ole thoughtful visual design the design that	

CP-Of - AWK BHAWSAR)

	1	100		AA			
			• भावनाओं और कथाओं व				
			छात्र प्रभावी रूप से भावनाएँ गई दृश्य रचनाओं के माध्यम	, कथाएं आर अमूत विचारा व	ग साच-समझकर का		
	1		• तकनीकों और माध्यमों वे				
			छात्र विभिन्न चित्रण तकनीकों		च गेकेकिक		
			वॉटरकलर, मिक्स्ड मीडिया				
1-			व्यक्तिगत रचनात्मक अभिव्य	गापि) पर्रा जन्यपूर्ण प्रश्ना, जि क्रिन की शैली विकसित कर	सर्त प जपना यकेंग्रे।		
			• मौलिक कलाकृतियों की		NIMATTI		
			छात्र अपनी रचनात्मक संरच	नाओं को पेश करने और प्रदर्ग	र्शित करने की		
			व्यावसायिक योग्यता प्राप्त क				
			पहलुओं की समझ भी शामिल				
6	_	dit Value		05			
7	Tot	al Marks	Max. Marks: 100	Min. Passing I	Marks: 40		
		Par	t B- Content of the C	Course			
Tota	l No.	of Lectures-Tutorials-P	ractical (in hours per we	ek):			
L-T			2000 m = 2000 de 2000 € 2000 de		60		
Uı	nit		Topics		No. of Lectures		
	-5*-262477	Introduction to Creative (	V <del></del>				
	*	Understanding Fig.					
		Study the elements					
		color, space, rhythr					
		Creative Thinking					
		Exercises to develo	*				
		and emotions.					
]		सृजनात्मक चित्र संयोजन (हि					
		• मूलभूत तत्वों की समझ:					
		रेखा, आकार, रंग, स्थान, लय,					
		और सिद्धांतों का अध्ययन।					
		• रचनात्मक सोच की शुरुआ					
		कल्पना, अवलोकन, स्मृतियों अ					
		Medianiando					
		Modern and Contemporar					
		Study of Modern A  Understanding how					
		Understanding how  Art influence comp					
		Application in Cor					
II	ſ						
11	N	Create paintings inspired by modern techniques like fragmentation, distortion, symbolism, and minimalism.					
		आधुनिक और समकालीन ही					
		• आधुनिक कला आंदोलनों व					
		मॉडर्निज़्म, पोस्टमॉडर्निज़्म और	समकालीन कला के प्रभावों के म	गध्यम से रचना शैलियों को			
		समझना।					
			1 23				

	• रचना में अनुप्रयोग: आधुनिक तकनीकों जैसे विखंडन (fragmentation), विकृति (distortion), प्रतीकवाद (symbolism), और न्यूनतावाद (minimalism) से प्रेरित चित्रों की रचना।	
	Abstraction and Concept Development  • Understanding Abstraction:	
	Shift from realistic representation to abstract forms; explore symbolic, emotional, and conceptual abstraction.  Development of Personal Themes: Students choose a theme or idea and interpret it in an abstract or semi-abstract manner.	
Ш	एबस्ट्रैक्शन (अमूर्तन) और अवधारणा विकास  • अमूर्तता की समझ: यथार्थवादी चित्रण से अमूर्त रूपों की ओर संक्रमण; प्रतीकात्मक, भावनात्मक और वैचारिक	
	अमूर्तन का अन्वेषण। • व्यक्तिगत विषयों का विकासः छात्र किसी विषय या विचार का चयन कर उसे अमूर्त या अर्ध-अमूर्त रूप में चित्रित करेंगे।	
	Experimentation with Materials and Techniques  • Exploration of Mixed Media:  Encourage use of oil, acrylic, watercolor, pastels, texture mediums, collage, and unconventional materials.	
IV	<ul> <li>Creative Process Emphasis:         <ul> <li>Focus on experimentation, layering, texturing, recycling materials, and developing a personal technique.</li> </ul> </li> <li>सामग्री और तकनीकों के साथ प्रयोग</li> </ul>	
	• मिक्स्ड मीडिया का अन्वेषण: तेल रंग, ऐक्रेलिक, वॉटरकलर, पेस्टल, टेक्सचर माध्यम, कोलाज और असामान्य सामग्रियों के प्रयोग हेतु प्रेरित करना।	
	• रचनात्मक प्रक्रिया पर बल: प्रयोग, परतों का निर्माण, बनावट (texturing), पुनर्चक्रण सामग्रियों का उपयोग, और व्यक्तिगत तकनीक विकसित करने पर ध्यान।	
	Final Work and Exhibition Readiness  Creation of Final Portfolio: Students produce a series of original creative compositions based on their chosen ideas and styles.	i
V	<ul> <li>Presentation and Critique:         <ul> <li>Prepare for display, framing, curatorial arrangement, and participate in a peer review and exhibition.</li> </ul> </li> <li>अंतिम कार्य और प्रदर्शनी की तैयारी</li> </ul>	
	• अंतिम पोर्टफोलियों का निर्माण: छात्र अपने चयनित विचारों और शैलियों पर आधारित मौलिक रचनात्मक संरचनाओं की एक शृंखला तैयार करेंगे।	

# • प्रस्तुतीकरण और आलोचनाः

प्रदर्शनी के लिए चित्रों की फ्रेमिंग, प्रदर्श व्यवस्था, और समवयस्क समीक्षा तथा प्रदर्शन में भाग लेना।

Keywords/Tags: Creative Composition, Modern Art Techniques, Abstract Expression, Experimental Painting, Visual Storytelling

# **Part C-Learning Resources**

- 1. "Creative Composition in Painting" Charles Movalli
- 2. "The Art of Composition" Michel Jacobs
- 3. "The Painter's Handbook" Mark David Gottsegen (focus on materials and experimentation)
- 4. "Chitrakala Mein Rachnatmak Abhivyakti" Dr. Rajeev Lochan
- 5. "Chitrakala Ke Mool Tatva" Dr. Shyamacharan Dubey
- 6. "Aadhunik Kala aur Abhivyakti" Dr. Kailash Vajpeyi
- "Composition: Understanding Line, Notan and Color" Arthur Wesley Dow (classic practical guide for creative composition)
- 8. "Expressive Drawing: A Practical Guide to Freeing the Artist Within" Steven Aimone (good for creativity and modern approaches)
- 9. "Experimental Painting" Lisa Cyr (very useful for creative, mixed media, and imaginative composition)
- 10. "Rangrekha" Ram V. Sutar (Basics of lines, colors, composition)
- 11. "Chitrakala Shiksha" Dr. O.P. Sharma (good for practical art education including composition)

### Suggested equivalent online courses:

### Part D-Assessment and Evaluation

### Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks :100

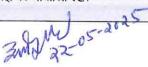
Continuous Comprehensive Eval  Internal Assessment: Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Before appearing for each semester's practical examination, every student must submit 5 finished works per practical paper at the exam center.  Submission must be properly labeled, signed by the student, and countersigned by the concerned teacher.  Students will not be permitted to appear in the Practical Examination without prior submission and approval of the assigned works.  These submitted works will also be part of internal assessment and record-keeping.  प्रत्येक सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा में उपस्थित होने से पहले, प्रत्येक छात्र को परीक्षा केंद्र पर प्रत्येक प्रायोगिक पत्र के लिए 5 पूर्ण कार्य प्रस्तुत करने होंगे।  प्रस्तुत किए गए कार्यों को उचित रूप से लेबल किया जाना चाहिए, छात्र द्वारा हस्ताक्षरित और संबंधित शिक्षक द्वारा काउंटरसाइन किया जाना चाहिए।	40
---	---	----

	यदि छात्र ने कार्यों को पूर्व में प्रस्तुत और अनुमोदित नहीं किया है, तो उन्हें प्रायोगिक परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमित नहीं दी जाएगी। ये प्रस्तुत किए गए कार्य आंतरिक मूल्यांकन और रिकॉर्ड-कीपिंग का भी हिस्सा होंगे।	
External Assessment : University Practical Exam	Its practical exam will continue for 3 days, 4 hours will be given for practical work on each	60
Time: $(4 \text{ Hrs. } X 3 \text{ days} = 12 \text{ Hours})$	day, thus total 12 hours will be given.	

Any remarks/ suggestions:

"Encourage students and artists to move beyond mere imitation of nature; inspire them to express personal experiences, emotions, and contemporary realities through bold experimentation with forms, colours, space, and materials, while grounding their compositions in a strong understanding of visual balance and harmony."

"छात्रों और कलाकारों को केवल प्रकृति की नकल करने से परे जाने के लिए प्रोत्साहित करें; उन्हें रूपों, रंगों, स्थान और सामग्री के साथ साहिसक प्रयोग के माध्यम से व्यक्तिगत अनुभवों, भावनाओं और समकालीन वास्तविकताओं को व्यक्त करने के लिए प्रेरित करें, जबकि उनके संयोजनों को दृश्य संतुलन और सामंजस्य की मजबूत समझ पर आधारित रखें।"



	Part A Introduction						
Program: 2 Years PG Class : N			Year: 2nd	Session: 2025-26			
Sub	ject: Drawing & Pair	nting	40.				
1	Course Code		***************************************				
2	Course Title		Mural Painting				
	Sourse Title		भित्ति चित्रण कला (म्यूरल)				
3	Course Type (Core Discipline Specific		Core Co	urse: Paper – 4 (Pract	rical)		
4	Pre-requisite (if any)		study this course, it is mandatory for the student to have completed MA Third semester of Drawing & Painting.इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र को ड्राइंग एवं पेंटिंग में एमए तृतीय सेमेस्टर उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।				
5	Stude signif • Ma Stude tempe • Ab Stude small • Into Stude spaces surror • Cre Stude educa identif • ऐति छात्र भ महत्व • भिति छात्र भ महत्व • भिति छात्र प बड़े पैम • बड़े छात्र छ		Students wisignificance • Mastery Students wisignificance • Mastery Students wisignificance • Ability to Students wisignificance • Integration • Integration • Creative • Students wisignificance • Creative	Understanding Historical and Cultural Context: Students will gain knowledge about the origin, evolution, and cultural significance of murals in Indian and world art.  Mastery of Mural Techniques and Materials: Students will learn traditional and contemporary techniques (like fresce empera, acrylic) and proper material handling for large-scale artworks. Ability to Plan and Design Large Compositions: Students will develop skills in conceptualizing, scaling, and translating small designs into large wall formats with balanced visual impact.  Integration of Space and Architecture: Students will understand how to harmonize murals with architectural paces, considering wall surfaces, textures, and environmental urroundings.  Creative and Professional Development: Students will be able to create original mural artworks for public, ducational, spiritual, or commercial spaces, enhancing their artistic dentity and professional opportunities.  Valentha of the prof			

6 7	100000	edit Value ral Marks	विचार होगा। • रचनात्मक और पेशेवर विक छात्र सार्वजनिक, शैक्षिक, आध्या भित्ति चित्र कला कार्य तैयार कर् पेशेवर अवसरों को बढ़ावा मिलेग Max. Marks: 100	• रचनात्मक और पेशेवर विकास: छात्र सार्वजनिक, शैक्षिक, आध्यात्मिक या व्यावसायिक स्था भित्ति चित्र कला कार्य तैयार करने में सक्षम होंगे, जिससे उन पेशेवर अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। 05		
		of Lectures-Tutori	als-Practical (in hours per week	x):		
L-T-					No. of Lectures	
U	nit		Topics duction and Fundamentals		or Electures	
1	I	the world (A  • Understandi pigments) as <b>भित्ति चित्रण कला (स्ट्</b> • भारत और विश्व में भि  (अजन्ता, ऐलोरा, पुनर्जा  • बुनियादी सामग्रियों (च		ern public murals). , clay, natural drawings. कास का अध्ययन ा चित्र)।		
11	ľ	boards, canv Practice basi techniques o <b>सतह की तैयारी और</b> • विभिन्न सतहों की तैया <b>यदि दीवारें उपलब्ध न</b> • इन वैकल्पिक सतहों प	w to prepare different surfaces — wall, p as boards <b>if walls are not available.</b> c techniques like fresco (wet and dry), to n these alternative surfaces. <b>बुनियादी तकनीकें</b> री करना सीखना — दीवार, प्लाईवुड, MDF	empera, acrylic mural बोर्ड, कैनवास बोर्ड		
III	ſ	schemes (tra • Style studies murals — en विभिन्न रंगों और शैली • भित्ति चित्र रंग योजनाउ मूड सेटिंग का अन्वेषण।	lor harmony, contrast, mood setting thro ditional + modern). Classical, Folk, Tribal, Modern, Abstra couraging creative exploration. <b>का प्रयोग</b> भीं (पारंपरिक + आधुनिक) के माध्यम से रंग प, लोक, जनजातीय, आधुनिक, अमूर्त, वैचारि	ct, Conceptual सौंदर्य, विपरीतता, और		

रचनात्मक अन्वेषण को प्रोत्साहित करना।

	Creative Additions — Clay Relief, Collage, Mixed Media					
	<ul> <li>Introduction to clay relief murals: building low-relief forms on board/wall.</li> </ul>					
	<ul> <li>Experimenting with collage, texture work, assemblage using waste</li> </ul>					
	material, fabrics, recycled objects for murals.					
IV	रचनात्मक अभिव्यक्ति — मिट्टी राहत, कोलाज, मिश्रित मीडिया					
1	• मिट्टि से अर्धिचित्र या रिलीफ कार्य , भित्ति चित्रों से परिचय: बोर्ड/दीवार पर कम- रिलीफ					
	कार्य त रूपों का निर्माण।					
	• कोलाज, बनावट कार्य, अपशिष्ट सामग्री, वस्त्र, पुनर्नवीनीकरण वस्तुओं का उपयोग करके					
	भित्ति चित्रों के लिए असेंबलज का प्रयोग करना।					
	Final Execution and Display					
	<ul> <li>Developing a final mural project: design approval, scaled drawing,</li> </ul>					
	transferring design to surface, and final painting or mixed-media work.	ĕ				
V	<ul> <li>Final exhibit/display preparation: Framing (if needed), wall mounting,</li> </ul>					
	documentation with photos, explanation notes.					
	अंतिम कार्य निष्पादन और प्रदर्शनी					
	• अंतिम भित्ति चित्र परियोजना विकसित करनाः डिज़ाइन स्वीकृति, स्केल्ड ड्रॉइंग, डिज़ाइन					
The state of the s	को सतह पर स्थानांतरित करना, और अंतिम चित्रकला या मिश्रित-मीडिया कार्य।					

Keywords/Tags: Mural Art for Interior Design, Fresco Painting Techniques, Wall Decoration with Murals, Outdoor Mural Applications, Decorative Mural Painting

# Part C-Learning Resources

- "The Mural Book: A Practical Guide for Educators", Author: Kitty Sobol Hecker (Simple and very useful for learning step-by-step mural planning, materials, execution, and teamwork.)
- "Mural Techniques", Author: Joyce Kozloff (Covers various materials, surface preparation, painting techniques, public art projects — from traditional to modern murals.)
- "The Art of Wall Painting: Techniques for Murals and Decorative Panels", Author: Graham Rust (A wonderful book for mastering classical and contemporary mural art, with a focus on realism, decorative styles, and mural design.)
- "Walls Speak: Comprehensive Guide to Wall Painting and Mural Art", Author: Robin James (Covers how murals enhance interior and exterior spaces — homes, offices, public buildings.)
- "The Art of Decorative Mural Painting", Author: Graham Rust (Special focus on how murals are planned for interior rooms, domes, ceilings, exteriors, and outdoor walls.)
- "Fresco Painting for Beginners and Professionals", Author: Laura Domencich
   (Explains ancient techniques like fresco and how they can be adapted for modern interior and exterior mural
   work.)

Suggested equivalent online courses:

# Part D-Assessment and Evaluation

**Suggested Continuous Evaluation Methods:** 

Maximum Marks:100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 40 Marks University Exam (UE): 60 Marks

24 22 05, 2025

Internal Assessment: Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Before appearing for each semester's practical examination, every student must submit 5 finished works per practical paper at the exam center.  Submission must be properly labeled, signed by the student, and countersigned by the concerned teacher.  Students will not be permitted to appear in the Practical Examination without prior submission and approval of the assigned works.  These submitted works will also be part of internal assessment and record-keeping.  प्रत्येक सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा में उपस्थित होने से पहले, प्रत्येक छात्र को परीक्षा केंद्र पर प्रत्येक प्रायोगिक पत्र के लिए 5 पूर्ण कार्य प्रस्तुत करने होंगे।  प्रस्तुत किए गए कार्यों को उचित रूप से लेबल किया जाना चाहिए, छात्र द्वारा हस्ताक्षरित और संबंधित शिक्षक द्वारा काउंटरसाइन किया जाना चाहिए।	40
External Assessment: University Practical Exam Time: (4 Hrs. X 3 days = 12 Hours)	Its practical exam will continue for 3 days, 4 hours will be given for practical work on each day, thus total 12 hours will be given.	60

# Guideline for Mural Painting in Interior and Exterior Decoration

### 1. Surface Selection and Preparation

- Students: Choose the right surface (wall, plywood, MDF boards, canvas) based on the type of mural (indoor or outdoor). Ensure the surface is smooth, clean, and primed for painting.
- Institutes: Ensure adequate space with well-lit and ventilated areas for mural painting. Provide varied surfaces (wall, board) for practice.

### 2. Material Knowledge and Experimentation

- Students: Experiment with different painting materials (acrylics, tempera, clay relief, mosaic) and choose ecofriendly options where possible. Learn how to blend traditional and modern techniques.
- Institutes: Organize workshops with guest artists to showcase various material applications like clay, glass, mosaic, and modern techniques like spray painting.

### 3. Color Selection and Aesthetic Harmony

- Students: Focus on color harmony and the psychological impact of colors in both interior and exterior spaces. Use colors that complement the room or area's decor and enhance the ambiance.
- Institutes: Offer color theory classes and practical sessions, encouraging students to study color psychology and its application in mural design for various environments (home, public spaces, etc.).

### 4. Design Planning and Scaling

- Students: Start with a small-scale study, and gradually scale it up. Use grids or projection techniques to transfer the design onto the wall. Ensure the mural design fits the architecture (walls, ceilings, columns).
- Institutes: Teach design scaling, proportions, and architectural integration as key aspects of mural painting. Allow students to practice on mock surfaces to simulate real-life scenarios.

### 5. Final Execution and Maintenance

- Students: Focus on clean execution and ensure your murals are protected with varnishes or sealers, especially for outdoor murals. Consider the longevity and weather resistance of your materials.
- Institutes: Guide students in professional maintenance and long-term care of murals, such as sealing, cleaning, and restoring murals, especially for public spaces or exterior murals.

### 1. सतह का चयन और तैयारी

• छात्रों के लिए: भित्ति चित्र (इनडोर या आउटडोर) के प्रकार के अनुसार उचित सतह (दीवार, प्लाईवुड, एमडीएफ बोर्ड, कैनवास) का चयन करें। सतह को चिकना, स्वच्छ और पेंटिंग के लिए उपयुक्त रूप से प्राइम किया हुआ सुनिश्चित करें।

- **संस्थानों के लिए:** भित्ति चित्रण हेतु पर्याप्त स्थान, अच्छा प्रकाश और वेंटिलेशन युक्त क्षेत्र उपलब्ध कराएँ। अभ्यास के लिए विभिन्न सतहें (दीवार, बोर्ड) प्रदान करें।
- 2. सामग्री का ज्ञान और प्रयोग
- **छात्रों के लिए:** विभिन्न चित्रकला सामग्रियों (ऐक्रेलिक, टेम्परा, मिट्टी राहत, मोज़ेक) के साथ प्रयोग करें और जहाँ संभव हो, पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाएँ। पारंपरिक और आधुनिक तकनीकों के समन्वय का अभ्यास करें।
- संस्थानों के लिए: अतिथि कलाकारों के साथ कार्यशालाओं का आयोजन करें, जिनमें मिट्टी, काँच, मोज़ेक जैसी सामग्रियों और आधुनिक तकनीकों जैसे स्प्रे पेंटिंग का प्रदर्शन किया जाए।
- 3. रंग चयन और सौंदर्य सामंजस्य
- **छात्रों के लिए**: रंग सामंजस्य और रंगों के मनोवैज्ञानिक प्रभावों पर ध्यान दें, विशेषकर आंतरिक और बाहरी स्थानों में। ऐसे रंगों का उपयोग करें जो कक्ष या क्षेत्र की साज-सज्जा के साथ मेल खाते हों और वातावरण को सजीव बनाते हों।
- संस्थानों के लिए: रंग सिद्धांत पर कक्षाएं और व्यावहारिक सत्र आयोजित करें। छात्रों को रंग मनोविज्ञान और उसके विभिन्न परिवेशों (घर, सार्वजनिक स्थान आदि) में भित्ति चित्रों के डिज़ाइन में प्रयोग का अभ्यास कराएँ।
- 4. डिज़ाइन योजना और स्केलिंग
- छात्रों के लिए: छोटे स्तर के अध्ययन से प्रारंभ करें और धीरे-धीरे उसे बड़ा करें। डिज़ाइन को दीवार पर स्थानांतरित करने के लिए ग्रिड या प्रोजेक्शन तकनीकों का उपयोग करें। यह सुनिश्चित करें कि डिज़ाइन वास्तुकला (दीवारें, छत, स्तंभ आदि) के अनुरूप हो।
- संस्थानों के लिए: डिज़ाइन स्केलिंग, अनुपात, और वास्तुकला के समावेश जैसे तत्वों को भित्ति चित्रण के मुख्य भाग के रूप में पढ़ाएँ। छात्रों को मॉक सतहों पर अभ्यास का अवसर दें ताकि वे वास्तविक परिस्थितियों का अनुभव प्राप्त कर सकें।
- 5. अंतिम निष्पादन और संधारण
- छात्रों के लिए: सफाईपूर्वक निष्पादन पर ध्यान दें और विशेषकर बाहरी भित्ति चित्रों के लिए उन्हें वार्निश या सीलर से सुरक्षित करें। सामग्री की दीर्घायु और मौसम प्रतिरोधक क्षमता पर विचार करें।
- संस्थानों के लिए: छात्रों को भित्ति चित्रों के व्यावसायिक संधारण और दीर्घकालीन देखभाल जैसे सीलिंग, सफाई, और पुनर्स्थापन की प्रक्रिया सिखाएँ, विशेष रूप से सार्वजनिक या बाहरी भित्ति चित्रों के संदर्भ में।

3my 2205-2025